संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -33 बुधवार ,04 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

रोहिंग्याओं के खतरे का मुद्दा गरमाया

» बंगाल विधानसभा में वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ प्रस्ताव पारित

» भाजपा सांसद ने उठाया बंगाल में रोहिंग्याओं के कारण बढ़ते खतरे का मुद्दा

» कहा...नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स के बाहर बनाई अवैध बस्ती

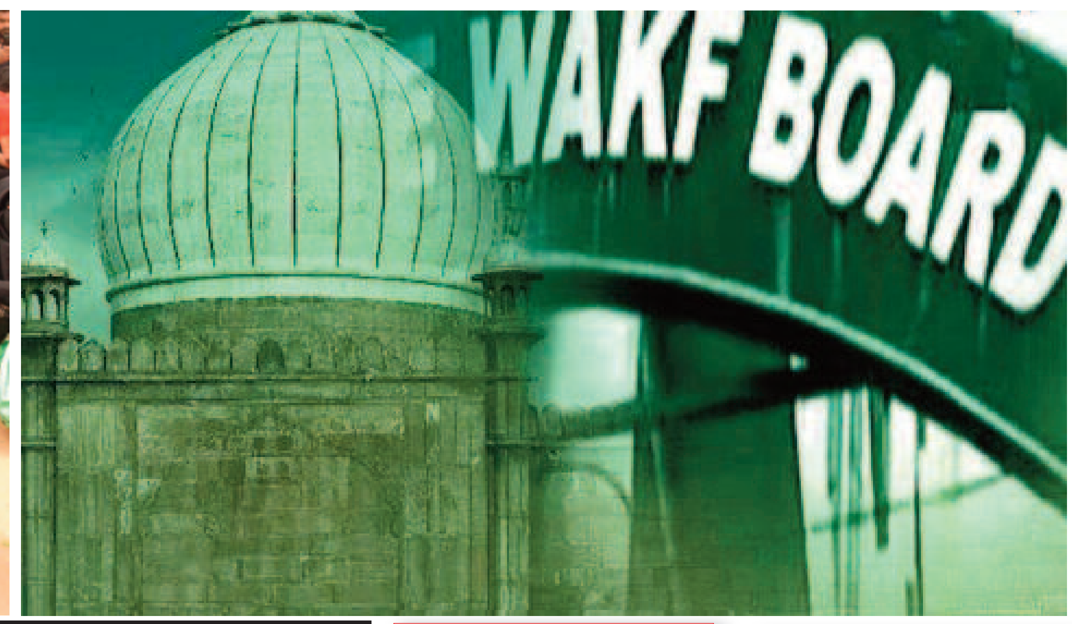

नई दिल्ली/कोलकाता,03 दिसम्बर 2024(ए)। भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य ने बंगाल में रोहिंग्याओं के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बढ़ते खतरे का मुद्दा उठाते हुए राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर वोट बैंक के लिए अनदेखी का आरोप लगाया है। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि कोलकाता में राष्ट्रीय महत्व के संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स के बाहर एक बड़े इलाके पर अवैध कब्जा कर लिया गया है। यह कब्जा रोहिंग्याओं ने किया है, जो बांग्लादेश से अवैध तरीके से आए हैं। इन रोहिंग्याओं के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है, क्योंकि यह संवेदनशील संस्थान है।

टीएमसी ने केंद्र पर लगाया बड़ा आरोप

तृणमूल विधायकों ने दावा किया कि विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में विपक्षी सदस्यों को बोलने नहीं दिया गया। यही कारण है कि सभी विपक्षी दलों के सांसदों ने इसका बहिष्कार किया। उन्होंने केंद्र पर मुसलमानों को निशाना बनाते हुए विभाजनकारी एजेंडा को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। कहा कि केंद्र सरकार वक्फ संपत्तियों को अपने नियंत्रण में लेकर मुसलमानों को उनके अधिकारों से वंचित करना चाहती है।

जानबूझकर कार्रवाई नहीं कर रही प्रदेश सरकार

भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि संस्थान के प्रमुख ने पुलिस और जिला प्रशासन से चार बार इसकी शिकायत की है। मगर जानबूझकर कोई कार्रवाई नहीं की गई, क्योंकि ममता सरकार उन्हें हटाना नहीं चाहती है। इस पर सदन में मौजूद तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने हंगामा किया। उनका कहना था कि इस मामले पर भाजपा सदस्य राजनीति कर रहे हैं।केंद्र के वक्फ (संशोधन) विधेयक- 2024 के खिलाफ मंगलवार को दूसरे दिन चर्चा के बाद बंगाल विधानसभा से प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित किया गया। बंगाल के संसदीय कार्य मंत्री शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने सोमवार को राज्य सरकार की तरफ से यह प्रस्ताव पेश किया था। प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायकों ने वक्फ विधेयक का कड़ा विरोध किया और केंद्र सरकार पर इसके बहाने एक धर्म विशेष को निशाना बनाने का आरोप लगाया। यह भी आरोप लगाया कि केंद्र ने वक्फ विधेयक पर राज्य से कोई परामर्श नहीं किया।

सुवेंदु बोले...चुनाव के लिए लाया गया प्रस्ताव

दूसरी ओर, विपक्षी भाजपा के विधायकों ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट आने से पहले इसके विरोध में प्रस्ताव लाने के औचित्य पर सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि एकमात्र वोट बैंक की राजनीति और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के चलते राज्य सरकार 2026 विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह प्रस्ताव लाई है।

मुसलमानों को गुमराह कर रही टीएमसीः सुवेंदु

सुवेंदु ने प्रस्ताव को लेकर दो दिन विधानसभा का समय खराब करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तृणमूल ने तीन तलाक, सीएए और जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने के खिलाफ भी दुष्प्रचार चलाकर मुसलमानों को गुमराह किया। उन्होंने सवाल किया कि क्या सीएए लागू होने के बाद एक भी मुसलमान को डिटेंशन कैंप में भेजा गया, जिसका इसके लागू होने से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दावा कर रही थीं।

भाजपा विधायकों ने किया वॉकआउट

उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस व ममता बनर्जी वोट बैंक के रूप में मुसलमानों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि संशोधन विधेयक से वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता आएगी और वे जवाबदेह बनेंगे। चर्चा में हिस्सा लेने के बाद प्रस्ताव पारित होने से ठीक पहले इसके विरोध में नारेबाजी करते हुए सभी भाजपा विधायक सदन से वॉकआउट कर गए। सदन के बाहर भी भाजपा विधायकों ने विरोध प्रदर्शन किया।

देश की संक्षिप्त खबरें

सांसद पप्पू यादव को धमकी देने वाला गिरफ्तार

आरोपी ने किए कई बड़े खुलासे

पूर्णिया,03 दिसम्बर 2024(ए)। पूर्णिया एसपी कार्तिकेय शर्मा ने पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को वीडियो बनाकर धमकाने के मामले में बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने भोजपुर से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति ने स्वीकार किया है कि सांसद के कुछ करीबी लोगों ने उसे सुरक्षा मुहैया कराने के लिए वीडियो बनाने और धमकाने को कहा था।

बस और कार के टक्कर में 5 की मौत

अलप्पुझा,03 दिसम्बर 2024(ए)। केरल के अलप्पुझा जिले में सोमवार रात को भारी बारिश के बीच भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें 5 मेडिकल छात्रों की मौत हो गई।हादसा कलारकोड इलाके में रात करीब 10 बजे हुआ है। मृतकों की पहचान आयुष शाजी, श्रीदीप वलसन, मुहम्मद जब्बार, देवनंदन और मुहम्मद इब्राहिम के रूप में हुई है।

ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी

आगरा,03 दिसम्बर 2024 (ए)। आगरा से बड़ी खबर सामने आई। ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से शहर में सनसनी फैल गई। यह धमकी एक ई-मेल के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां तत्काल अलर्ट हो गईं। बम निरोधक दस्ते तथा डॉग स्क्वायड को मौके पर भेज दिया गया।

मोहन भागवत ने 2 से ज्यादा बच्चों की पैरवी की...

» आरएसएस प्रमुख के बयान पर कांग्रेस और ओवैसी ने घेरा...

नई दिल्ली,03 दिसम्बर 2024 (ए)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने घटती जनसंख्या दर पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट समाज के लिए ठीक नहीं है, मोहन भगवात के जिस बयान पर विपक्ष के नेताओं में कांग्रेस, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने घेरा है। कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मोहन भागवत के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि मोहन भागवत चीन से सीख नहीं ले पा रहे और वो जनसंख्या के मामले में देश को शक्तिशाली बनाना चाहते हैं। मेरा तो उनको सुझाव है कि मोहन भागवत हैं, पीएम मोदी हैं, यूपी के सीएम योगी हैं तो सबसे पहले ये शुरुआत करें अगर इन्हे जनसंख्या की इतनी चिंता है तो, इनसे शुरुआत होनी चाहिए।

वहीं असदुद्दीन ओवैसी ने भी मोहन भागवत के बयान पर सवाल उठाया है. ओवैसी ने कहा कि मोहन भागवत कहते हैं कि जनसंख्या बढ़ानी चाहिए, लेकिन क्या वह यह सुनिश्चित करेंगे कि बच्चों को कुछ फायदा मिले? क्या वह गरीब परिवारों को हर महीने 1500 रुपये देंगे? ओवैसी ने यह भी कहा कि भागवत को अपने समुदाय से उदाहरण लेकर दिखाना चाहिए।

बताना चाहेंगे कि भागवत के बयान के बाद जनसंख्या वृद्धि और जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर देशभर में बहस तेज हो गई है। विपक्ष ने इस पर राजनीति करने का आरोप लगाया है, जबकि संघ प्रमुख ने इसे समाज के अस्तित्व से जोड़ते हुए जनसंख्या नीति पर ध्यान केंद्रित किया है।.

सुप्रीम कोर्ट ने बीटेक छात्रा के रेप-मर्डर के अभियुक्त की फांसी की सजा तामिल करने पर लगाई रोक

रांची,03 दिसम्बर 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने रांची में बीटेक की छात्रा की रेप के बाद हत्या करने और शव को घर में जला देने के बहुचर्चित केस के अभियुक्त राहुल राज उर्फ रॉकी राज उर्फ अंकित उर्फ राज श्रीवास्तव उर्फ आर्यन की फांसी की सजा तामिल करने पर रोक लगा दी है। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस उज्जवल भुइयां की बेंच ने मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए निचली अदालत और झारखंड हाईकोर्ट से इस केस का रिकॉर्ड मंगाने का निर्देश दिया है।

IPS का वीडियो चर्चा में...पुलिस कप्तान को ऑन कैमरा माफी मांगते आपने शायद ही देखा हो...

हरदोई,03 दिसम्बर 2024(ए)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के पुलिस कप्तान ने कुछ ऐसा किया कि लोग कह रहे हैं अधिकारी हो तो ऐसा. दरअसल एक मामले में युवती को असंवदेनशील तरीके से उनके सामने लाया गया. जिसकी वजह से पहले तो उन्होंने पुलिसकर्मियों से नाराजगी जताई और फिर बाद में वीडियो जारी कर माफी मांगी. जानकारी के मुताबिक, एक हादसे में घायल हुए भाई-बहन पुलिस से इंसाफ की मांग कर रहे थे तभी भाई अपनी बहन को लेकर एसपी ऑफिस आया। बहन एक्सीडेंट में इतनी चोटिल हो गई थी कि चलने की स्थिति में नहीं थी तभी वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोक दिया और अंदर नहीं आने दिया। इस दौरान चादर के सहारे युवती को एसपी के सामने लाया गया। युवती को इस तरह अपने सामने पेश किए जाने से कप्तान ने भी नाराजगी जताई और पीड़ितों ने भी इसे सही नहीं ठहराया। इसी मामले में एसपी नीरज सिंह जादौन ने वीडियो जारी कर माफी मांगी।

गूगल मैप की राह में बड़े धोखे

कार नहर में गिरी,गनीमत से बची जान...

बरेली,03 दिसम्बर 2024(ए)। बरेली में एक बार फिर गूगल मैप की वजह से बड़ा हादसा होते-होते बचा। कोहरे के कारण गूगल मैप के द्वारा दिखाए गए शॉर्टकट मार्ग पर चल रहे तीन युवकों की कार नहर में गिर गई। हालांकि, गनीमत रही कि कार में सवार सभी व्यक्तियों को कोई चोट नहीं आई। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला।यह घटना सोमवार रात करीब तीन बजे हुई, जब कानपुर के औरैया निवासी दिव्यांशु और उसके दो दोस्त गूगल मैप का उपयोग करते हुए पीलीभीत जा रहे थे। कोहरे की वजह से मार्ग पर दिशा-निर्देशों को सही से देख पाना मुश्किल हो रहा था, इस कारण उन्होंने गूगल मैप से शॉर्टकट रास्ता लिया। गूगल मैप ने उन्हें इज्जतनगर क्षेत्र में कलापुर पुलिया के पास एक शॉर्टकट दिखाया, जिससे वे नहर वाले रास्ते पर मुड़ गए। लेकिन जैसे ही वे ग्राम बरकापुर तिराहा के पास पहुंचे, सड़क का कटान हो गया और कार नहर में पलट गई। गनीमत रही कि नहर में पानी नहीं था और कार की गति भी ज्यादा नहीं थी, जिससे किसी को भी चोट नहीं आई।

पुलिस अफसर ने किया डबल मर्डर

» पत्नी और साली को ऐसे उतारा मौत के घाट

भोपाल,03 दिसम्बर 2024 (ए)। राजधानी भोपाल के ऐशबाग इलाके में मध्य प्रदेश पुलिस के एक ASI ने अपनी पत्नी और साली की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया. सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस का कहना है कि फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

एक्शन मोड में भाजपा,बड़े बदलाव के साथ मरांडी की छुट्टी के संकेत

रांची,03 दिसम्बर 2024 (ए)। झारखंड विधानसभा चुनाव में हार के बाद भाजपा जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास कर रही है। सूत्रों के अनुसार झारखंड में बीजेपी संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। साथ ही बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की छुट्टी होने की चर्चा जोरों पर है। भाजपा ने मरांडी को एक बड़े आदिवासी नेता होने के नाते प्रदेश की कमान सौंपी थी लेकिन वे कोई खास परिणाम नहीं दे सके। झारखंड के चुनावी नतीजों को लेकर भाजपा काफी गंभीर है और पिछले शनिवार को राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष और प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी को रांची भेजकर हार के कारणों की समीक्षा कराई गई।दो दिनों तक पांच सत्रों में इसकी गहन समीक्षा हुई और पार्टी संगठन में बड़े बदलाव की भी संभावना जताई गई। सूत्रों के मुताबिक, दोनों नेता जल्द ही अपनी रिपोर्ट भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को सौंपेंगे। इसके बाद, इस हफ्ते पार्टी आलाकमान द्वारा झारखंड की समीक्षा के लिए राज्य पदाधिकारियों को दिल्ली बुलाया जाएगा, जहां जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हार के सभी पहलुओं पर चर्चा होगी और आगामी रणनीति तय की जाएगी।

स्टेज पर एक्टर के अंदर आ गया राक्षस

» जिंदा सुअर का पेट फाड़ खाने लगा मांस के टुकड़े

गंजम,03 दिसम्बर 2024 (ए)। ओडिशा के गंजम में रामायण नाटक में राक्षस की भूमिका निभाने वाले एक शख्स ने स्टेज पर सबके सामने जो किया, उसे देख हर कोई दंग रह गया। 45 साल का अभिनेता नाटक में राक्षस का किरदार निभा रहा था। ऐसे में उसने मंच पर ही एक जीवित सुअर का पेट फाड़ दिया और उसका मांस खाने लगा। इस घिनौनी हरकत को देख लोग चिल्ला उठे। कुछ देर बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।इस घटना से ओडिशा में आक्रोश फैल गया। सोमवार को विधानसभा में भी इसकी निंदा की गई. अभिनेता बिंबाधर गौड़ा के अलावा 24 नवंबर को हिन्जिली पुलिस थाना क्षेत्र के रालाब गांव में हुए नाटक के आयोजकों में से एक को भी पशुओं से क्रूरता और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वहीं, इसी नाटक में दर्शकों को आकर्षित करने के लिए थिएटर समूह ने सांपों का भी प्रदर्शन किया।

सत्तारूढ़ भाजपा सदस्य बाबू सिंह और सनातन बिजुली ने विधानसभा में इस घटना की कड़ी निंदा की। पशु अधिकार कार्यकर्ताओं ने भी इसकी निंदा की और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की. बेरहामपुर के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) सनी खोखर ने कहा, 'हम उन लोगों की भी तलाश कर रहे हैं जिन्होंने थिएटर में सांपों को दिखाया था। उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने हालांकि गिरफ्तार आयोजक का नाम नहीं बताया। राज्य सरकार ने पिछले साल अगस्त में जारी दिशा-निर्देश में सांपों के सार्वजनिक प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया था। उधर, सोशल मीडिया पर भी यह वीडियो वायरल हुआ. यूजर्स ने यह देख आपत्ति जताई. कुछ लोगों ने तंज के तौर पर लिखा कि शायद एक्टर ने रियल एक्टिंग करने के लिए जानवर को ही मार दिया।.

संपादकीय

चुनावी हेरफेर का है सवाल

उद्देश्य विपक्ष को आगाह करना भर है कि चुनावी हेरफेर का सवाल वे केवल पराजय के दिन उठाएंगे और फिर सब भूल कर अगले चुनाव की तैयारी में जुट जाएंगे, तो इस गंभीर मुद्दे पर जनता के बीच कोई नैरेटिव वे खड़ा नहीं कर पाएंगे।महा विकास अघाड़ी की हार के बाद शिव सेना (उद्धव) नेता संजय राउत ने कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र का मन' जानती है। स्वाभाविक रूप से ऐसा नतीजा नहीं आ सकता था। यानी सत्ता पक्ष ने हेरफेर से चुनाव जीता।इसी गठबंधन में शामिल समाजवादी पार्टी के एक पराजित उम्मीदवार ने कहा कि 19 से 17 दौर की गिनती तक वे आगे थे। मगर उसके बाद 99 फीसदी चार्ज्ड' ईवीएम निकले, जिनमें अंतर इतना था कि अंततः वे हार गए। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ताओं ने निर्वाचन आयोग पर नियोजित ढंग से चुनावों में समान धरातल खत्म करने का आरोप लगाया। हरियाणा की तरह ही उन्होंने महाराष्ट्र के परिणाम की साख पर गंभीर सवाल उठाए।साल भर पहले मध्य प्रदेश में हार के बाद वहां के कांग्रेस नेताओं ने ईवीएम में हेरफेर के आरोप लगाए थे।यानी अब यह आम रुझान बन गया है। जहां भी विपक्षी दलों की हार होती है, वे उसे सहज स्वीकार नहीं करते। हालांकि इसका कोई ठोस उत्तर उन्होंने पेश नहीं किया है कि सब कुछ मैनेज्ड हो चुका है, तो झारखंड और कश्मीर घाटी में कैसे भाजपा गठबंधन हार गया और लोकसभा चुनाव में कैसे भाजपा को उतना तगड़ा झटका लग गया था।इस प्रश्न को उठाने का मकसद यहां विपक्षी दलों के संदेह और सवालों को संदिग्ध बनाना या उन्हें निराधार बताना नहीं है। उद्देश्य सिर्फ विपक्ष को आगाह करना है कि वे ऐसे सवाल केवल चुनावी पराजय के दिन उठाएंगे और दो चार दिन में सब भूल कर अगले चुनाव की तैयारी में लग जाएंगे, तो वे इस गंभीर मुद्दे पर आम जन के बीच कोई नैरेटिव तैयार नहीं कर पाएंगे।उनकी बातों में तनिक भी दम हो, तो फिर इस वक्त इससे ज्यादा बड़ा मुद्दा देश के सामने कोई और नहीं है। इसका अर्थ होगा कि देश में लोकतंत्र को सत्ता की मुट्ठी में समेट लिया गया है।मगर आज तक इंडिया गठबंधन ने इस मुद्दे पर कोई साझा राय या जन अभियान का साझा कार्यक्रम नहीं बनाया। क्यों? इस क्यों' को विपक्ष अब सिर्फ अपनी साख की कीमत पर ही नजरअंदाज कर सकता है।

भारतीय नौसेना दिवस पर आज विशेष

निरंतर मजबूत हो रही है भारतीय नौसेना

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए 'भारतीय नौसेना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे।

भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई। नौसेना दिवस हर साल एक खास थीम के साथ मनाया जाता है और 2024 के नौसेना दिवस का विषय है 'नवाचार और स्वदेशीकरण के माध्यम से शक्ति और शक्ति'।

नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है 'शं नो वरूणः' अर्थात् जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें।

भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए 'ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन' के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम 'ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर 'बॉम्बे मरीन' कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम 'रॉयल इंडियन नेवी' रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया।

भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं। बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तानी नौसैना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

भारत माँ के महान सपूत

शहीद खुदीराम बोस

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

शहीद खुदीराम बोस सबसे कम उम्र के क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने भारत में ब्रिटिश राज का विरोध किया था। शहीद खुदीराम बोस का जन्म 3 दिसंबर, 1889 को मोहोबनी, बंगाल में त्रैलोक्यनाथ बोस और लक्ष्मीप्रिया देवी के घर हुआ था। उनके पिता नेराजोल में तहसीलदार थे। खुदीराम अपने माता-पिता की चौथी संतान थे। उनका खुदीराम नाम सांस्कृतिक रीति-रिवाज खुद के नाम पर रखा गया था।6 साल की उम्र में खुदीराम ने अपनी मां को खो दिया और सात साल की उम्र में उनके पिता की मृत्यु हो गई थी। उनकी बड़ी बहन अपरूपा रॉय ने अपने पति अमृतलाल रॉय के साथ मिलकर उनका पालन-पोषण किया। उन्होंने तमलुक में हैमिल्टन हाई स्कूल में पढ़ाई की थी।वर्ष 1902 और 1903 में श्री अरबिंदो और सिस्टर निवेदिता ने सार्वजनिक व्याख्यानों की एक श्रृंखला दी और भारत की स्वतंत्रता के लिए मौजूदा क्रांतिकारी समूहों के साथ विभिन् निजी सत्र आयोजित किए। उस समय खुदीराम चर्चाओं में सक्रिय भागीदार थे। बाद में वह अनुशीलन समिति में शामिल हो गए और 15 साल की उम्र में स्वयंसेवक बन गए। उन्हें भारत में ब्रिटिश राज के खिलाफ पर्चे बांटने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।1907 में बरिन्द्र कुमार घोष ने अपने सहयोगी हेमचंद्र कानूनगो के लिए पेरिस में निर्वासित रूसी क्रांतिकारी निकोलस सफ्रांस्की से बम बनाने की तकनीक सीखने की व्यवस्था की। बंगा लौटने पर हेमचंद्र और बरिन्द्र कुमार ने सहयोग किया और डगलस किंग्सफोर्ड को अपने लक्ष्य के रूप में चुना।उनका लक्ष्य अलीपुर के प्रेसीडेंसी कोर्ट के मुख्य मजिस्ट्रेट थे और उन्होंने भूपेन्द्रनाथ दत्ता और जुगांतर के अन्य संपादकों के मुकदमे की निगरानी की थी, जिसमें उन्हें कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। वह युवा क्रांतिकारियों को कठोर और क्रूर सजा देने के लिए कुख्यात हो गए थे।हेमचंद्र ने किंग्सफोर्ड को मारने के लिए एक किताबी बम का निर्माण किया। बम को कॉमन लॉ पर हर्बर्ट ब्रूम की टिप्पणियों के एक खोखले खंड में पै किया गया था और एक युवा क्रांतिकारी परेश मलिक द्वारा भूरे रंग के कागज में लपेटकर किंग्सफोर्ड के घर पहुंचाया गया था।किंग्सफोर्ड ने बाद में जांच करने के लिए पैकेज को अपनी शेल्फ में रख लिया। 1908 में किंग्सफोर्ड को जिला न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया और सरकार द्वारा उन्हें बिहार स्थानांतरित कर दिया गया। पुस्तक बम के साथ उनका फर्नीचर भी उनके साथ चला गया।अनुशीलन समिति ने किंग्सफोर्ड को मारने का प्रयास जारी रखा। इस उद्देश्य से दो

सदस्यीय टीम ने मुजफ्फरपुर का दौरा किया, जिसमें प्रफुल्ल चाकी भी शामिल थे। प्रफुल्ल चाकी खुदीराम बोस के साथ हेमचंद्र द्वारा उपलब्ध कराये गये बम लेकर वापस आये।कलकत्ता पुलिस को किंग्सफोर्ड के विरुद्ध षडयंत्र का पता चल गया था। मजिस्ट्रेट के घर की सुरक्षा के लिए चार लोगों को नियुक्त किया गया था। दोनों क्रांतिकारियों ने सफलतापूर्वक अपनी पहचान छिपा ली थी और सीआईडी अधिकारी मुजफ्फरपुर के अधीक्षक से एक मंजूरी पत्र के साथ कलकत्ता से लौट आए कि दोनों क्रांतिकारी नहीं आए हैं।29 अप्रैल को खुदीराम और प्रफुल्ल ने स्कूली छात्र होने का नाटक किया और अपनी योजना को अंजाम देने से पहले मुजफ्फरपुर में ब्रिटिश क्लब के सामने पा का सर्वेक्षण किया। किंग्सफोर्ड द्वारा अक्सर पा का दौरा किया जाता था।डी-डे पर, किंग्सफोर्ड और उनकी पत्नी एक ब्रिटिश बैरिस्टर, प्रिंगल कैनेडी की पत्नी और बेटी के साथ खेल रहे थे। उन चारों ने रात करीब 8:30 बजे एक जैसी गाड़ियों में घर वापस जाने का फैसला किया। जैसे ही गाड़ी यूरोपियन क्लब के पूर्वी गेट पर पहुंची, दोनों (खुदीराम और प्रफुल्ल) उसकी ओर दौड़े और बम फेंक दिया। बेटी-मां की जोड़ी की दो दिनों के भीतर मृत्यु हो गई, जबकि किंग्सफोर्ड और उनकी पत्नी बच गए।हमले के बाद खुदीराम और प्रफुल्ल भागने में सफल रहे। पूरे शहर को इस घटना के बारे में पता था और हर यात्री पर नजर रखने के लिए सभी रेल मार्गों पर सशस्त्र पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।25 मील चलने के बाद खुदीराम वैनी नामक स्टेशन पर पहुंचे। उन्होंने चाय की दुकान पर एक गिलास पानी मांगा और दो कांस्टेबलों - फतेह सिंह और शेओ प्रसाद सिंह को खुदीराम की थकी हुई उपस्थिति देखकर कुछ संदे हुआ। कुछ पूछताछ के बाद उनका संदेह बढ़ गया और खुदीराम को सिपाहियों ने हिरासत में ले लिया। उसके पा से 37 कारतूस, 30 रुपये नकद, रेलवे का नक्शा और रेल समय सारिणी का एक पन्ना मिला था।प्रफुल्ल ने लंबी यात्रा की और त्रिगुणाचरण घोष नाम के एक नागरिक ने उन्हें पहचान लिया, जिन्होंने प्रफुल्ल की जान बचाने का फैसला किया।उन्होंने उनके लिए कोलकाता के टिकट का भी इंतजाम किया। वह समस्तीपुर से ट्रेन में सवार हुआ और हावड़ा जा रहा था। नंदलाल बनर्जी, जो कि एक उप-निरीक्षक थे, उनके साथ बातचीत की और उन्हें एहसास हुआ कि वह एक और क्रांतिकारी हो सकते हैं।प्रफुल्ल पानी पीने के लिए नीचे उतरे और बनर्जी ने उनके बारे में मुजफ्फरपुर पुलि स्टेशन को एक टेलीग्राम भेजा। उन्होंने मोकमघाट स्टेशन पर उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की, लेकिन प्रफुल्ल ने अपनी रिवॉल्वर से खुद को मुंह में गोली मार ली। 1 मई को खुदीराम को हथकड़ी लगाकर मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। उन्होंने हत्या की पूरी जिम्मेदारी ली। उनके समाप्त होने के बाद प्रफुल्ल का शव मुजफ्फरपुर पहुंचा। खुदीराम ने उसकी पहचान की और आवश्यक विवरण दिया। खुदीराम बोसः फांसीदो सदस्यीय टीम की साजिश में खुदीराम एकमात्र जीवित व्यक्ति थे। यह अनुमान लगाया गया था कि खुदीराम बोस को बख्श दिया जाएगा, लेकिन एक एतिहासिक तारीख पर ब्रिटिश न्यायाधीशों ने उनकी फांसी की पुष्टि कर दी। 11 अगस्त 1908 को खुदीराम बोस को फांसी दे दी गई। उस समय वह हाथों में गीता लेकर फांसी चढ़ गए थे।खुदीराम बोसः विरासत- 1965 में खुदीराम बो सेंट्रल कॉलेज कोलकाता, पश्चिम बंगाल में स्थापित किया गया था और कला और वाणिज्य में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। कॉलेज कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्ध है।-कोलकाता में गरिया के पास एक मेट्रो स्टेशन का नाम उनके नाम परशहीद खुदीराम स्टेशन रखा गया है ।

नन्हें बच्चों का कुपोषण देश का अभिशाप

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

इस दिशा में गंभीर कब होंगे हम

बच्चे देश के भविष्य होते है। यदि देश का भविष्य ही कुपोषित रहेगा, कमजोर रहेगा तो सशक्त राष्ट्र की कल्पना करना बेमानी होगा। भारत में बच्चों के भुखमरी तथा कुपोषण एक बड़े अभिशाप की तरह सामने आ रहे हैं यह देश की एक प्रमुख समस्या भी है। देश में कुपोषण से बच्चे यानी आने वाले कल के जिम्मेदार नागरिकों की हालत बहुत ज्यादा चिंताजनक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश के 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में 33 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार है और इनमें 50 प्रतिशत बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित होकर बीमारी को झेल रहे हैं। देश में भले ही जोर शोर से बाल दिवस हर साल मनाया जाता है और उसी पर करोड़ों खर्च कर दिया जाता है। देश में एक महिला तथा बाल विकास मंत्रालय अलग खोल के रखा गया है, पर बच्चों के कुपोषण पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। ऐसी क्या वजह है की नौनिहालों के पोषण के लिए केंद्र या राज्य सरकार के पास इतने संसाधन होने के बावजूद धन मुहैया नहीं हो पाता है। मलेरिया,टीबी और ना जाने अन्य कितनी बीमारियों पर भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अरबों रुपए खर्च कर दिए हैं, पर जो भारत की मुख्य रीढ़ की हड्डी है यानी कि आने वाले कल के नागरिक वर्तमान के बच्चे यदि कुपोषित हैं तो यह अत्यंत चिंतनीय सोचनीय तथा विचारणीय पहलू है। सरकारी एजेंसियों द्वारा एक आर,टी,आई के जवाब में बताया गया कि 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों संकलित आंकड़ों के मुताबिक 34 लाख बच्चे कुपोषित पाए गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्यप्रदेश है। विगत दिनों करोना संक्रमण के कारण भी बच्चे कुपोषित हुए हैं और आने वाले कल के दिन में भी और बच्चों के कुपोषण कथा मृत्यु की आशंका बढ़ गई हैद्य सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 18 लाख बच्चे बहुत ज्यादा कुपोषित है एवं शेष 16लाख बच्चे अल्प कुपोषित हैं। जब अरबों रुपए अन्य बीमारियों के संक्रमण में लगाए जा सकते हैं तो एक अभियान के तहत बच्चों के कुपोषण को दूर करने के लिए भी मैराथन प्रयास किए जाने चाहिए । जिससे बच्चे तो कम से कम कुपोषित ना हो वैसे भारत कुपोषण के मामले में वैश्विक स्तर पर बांग्लादेश तथा पाकिस्तान से भी पीछे है उसका नंबर 101वां है, ऐसे हालात में महिला तथा बाल विकास को महिलाओं तथा बच्चों के लिए ही एक विशेष अभियान चलाकर उन्हें कुपोषित होने से बचाना होगाद्य पोषण ट्रैकर के हवाले से बताया गया कि सिर्फ महाराष्ट्र में ही कुपोषित बच्चों की संख्या छह लाख दर्ज की गई है जिनमें 1,57 लाख बच्चे अल्प कुपोषित तथा 4,58 लाख बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं। दूसरे नंबर पर बिहार प्रदेश आता है जहां 5लाख कुपोषित बच्चे और तीसरे नंबर पर गुजरात प्रदेश होता है जहां 3ः30 लाख बच्चे कुपोषित हैं। महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्य प्रदेश बहुत सक्षम और देश के बड़े राज्य हैं, यहां पर स्वास्थ्य विभाग पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, फिर ऐसी क्या वजह है कि बच्चों के कुपोषण की दर इतनी ज्यादा तथा चिंताजनक हो गई हैद्य कुपोषित बच्चे भी बड़े होते हैं तो वह कई बीमारियों को लेकर धीरे-धीरे बढ़ते हैं और इससे उनकी लंबाई तथा स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है देश के 34 प्रतिशत कुपोषित बच्चों का कद औसत कद से बहुत कम हो जाता हैद्य 21त्न बच्चे जो कुपोषण के कारण यदि वह बच भी जाते हैं तो उनका वजन अत्यंत कम हो जाता है। ऐसे कम लंबाई तथा कम वजन के बेचारे बच्चे देश का क्या भविष्य बना पाएंगे या देश में अपना योगदान क्या दे पाएंगे। इसीलिए भारत सरकार राज्य सरकारों को कम से कम बच्चों की तरफ तो ज्यादा से ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होगी। वैश्विक भूख सूचकांक(ग्लोबल हंगर इंडेक्स) के आंकड़ों के हिसाब से 2021 में भारत 116 देशों में 101 वें स्थान पर पहुंच गया है इस मामले में वह अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से काफी पीछे है। इस मामले में भारत 2020 में ग्लोबल हंगर इंडेक्स के अनुसार 94 वें स्थान में था, और आज की स्थिति में 101 वे स्थान में पहुंच गया है। इसका सीधा सीधा मतलब है कि हर वर्ष कुपोषण से शिकार बच्चों की संख्या बेतहाशा बढ़ रही है। कुपोषण के मामले में भारत की राजधानी दिल्ली भी पीछे नहीं है दिल्ली प्रदेश की स्थिति भी चिंताजनक है अधिकारी और मंत्री भले बड़े-बड़े दावे करने में पीछे नहीं हटते हैं पर बच्चों की स्थिति चिंताजनक है,दिल्ली में ही 2लाख बच्चे कुपोषित हैं, आंध्र प्रदेश में 2,70लाख बच्चे कुपोषित हैं, कर्नाटक में 2,5 लाख बच्चे उत्तर प्रदेश में 19लाख बच्चे,तमिलनाडु में 1,80 लाख,असम में 1,80 लाख और तेलंगाना में 1,60 लाख बच्चे कुपोषण की स्थिति में जी रहे हैं। इस देश में जहां अरबों रुपए सरकार के 40 से ज्यादा विभागों में सालाना खर्च किए जा रहे हैं, तो यह स्वास्थ्य विभाग में विशेष तौर पर बच्चों के लिए खर्च करने रिसर्च करने और उन पर विशेष ध्यान देने में कोताही क्यों बरती जा रही है। यह तथ्य न सिर्फ चिंतनीय है बल्कि स्वास्थ विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी महिला तथा बालकों के विकास के लिए विशेष अभियान चलाकर उनके स्वास्थ्य की रक्षा हेतु निर्देशित किया है। वैश्विक आंकड़े भी यही बताते हैं कि बच्चों को जो कि किसी भी देश का भविष्य होते हैं कुपोषण से हर तरह से सुरक्षित किया जाना सुनिश्चित करना होगा ,अन्यथा ये कुपोषित बच्चे ही आगे चलकर देश के नागरिक नागरिक बनेंगे। ऐसे में आप स्थिति की कल्पना कर सकते हैं देश की विशाल जनसंख्या को देखते हुए बच्चों के कुपोषण की दर जरूर कम है, लेकिन हर साल इनके कुपोषण की दर की वृद्धि चिंताजनक परिणाम देने वाली ना हो इस पर हम सबको ध्यान देना होगा।

डोंट सेव गर्ल्स

शबीना वानो
टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश)

नन्हीं - नन्हीं, मासूम बच्चियों के साथ हो रही दरिंदगी पर, उनकी बात को अल्फ़ाज़ देने की कोशिश कर रही हूँ।

यह किसी एक बच्ची या धर्मविशेष की बात नहीं है।

चार लाख़ थे सपने मेरे, चार लाख़ वो ख़्वाहिशें
चार हज़ार उन उम्मीदों को,
चार हज़ार दफ़ा है समेटा बिखरने के बाद में।
चार करोड़ के बराबर चार ज़ख्म वो दे गए,
कहने को आये लोग चार पर बातें चार कह गए।
अलग - अलग हिस्सों में कंधा मेरे ज़नाज़े को दिया,
किसी ने दफ़नाई मासूमियत
तो किसी ने बचपन जला दिया,
करते होंगे अंतिम संस्कार शरीरों का, करते होंगे अंतिम संस्कार का,
मेरी तो रूह को ख़ाक में मिला दिया।
कैसे सोचूँ अब, विश्वाश की उन बातों को,
भगवान के घर में भी! दिखा दे जब,
दरिन्दे अपनी औकातों को।
मत बचाओ बेटियों को, मत बचाओ बेटियों को,
उन्हें कोख़ में ही मर जाने दो,
जहन्नम बन गई है शायद दुनिया उनके लिए,
उन्हें इस नर्क मे मत आने दो।
न बहाव आंशू मेरे नाम पर लोगों,
न, बहाव आंशू मेरे नाम पर लोगों,
ऐ माँ इन्हें बता दो
नहीं रहने लायक़ ये ज़हान!
सारी लड़कियों को आग लगा दो,
सारी लड़कियों को आग लगा दो।
करती हूँ दुआ, करती हूँ दुआ उस रब से,
न भेज लड़कियों को यहाँ अब
शायद तब एहसास हो किसी को,
कि दुनिया से कोई इंसान गया है।
क्या फ़र्क़ पड़ता है अभी,
आ जाएगा नया खिलौना,
ये तो पुराना सामान गया है।।

कविता

एक मैं और एक तू

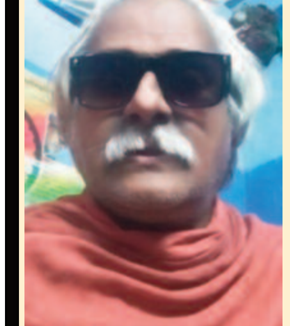

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई तमिलनाडु

कैसे करें
आप बदल गए
अपने जीवन में?
आप बदल गए
अपकी जीवन शैली
शरीर और मन
फिट के साथ...
आप बदल गए
आपके दिमाग मे
विचार के साथ शब्द
जीवन को सकारात्मक बनाना
किस बारे में
यदि आप परिवर्तन चाहते हैं?
अपने आप को बांटो
दूसरों के साथ नकल न करें
हाँ...
पहले आप बदलो
मुस्कान के बारे में
सभी के साथ...
जीवन बहुत अधिक है
इंतज़ार के साथ मज़ेदार चीज़ें
एक मैं और एक तू....

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

कोटपा अधिनियम के तहत कार्रवाई जारी
14 लोगों से वसूले गए 18 सौ समन शुल्क

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोटपा अधिनियम का उल्लंघन कर सार्वजनिक स्थान पर सिगरेट पीने वाले, बिना वैधानिक चेतावानी के विक्रय करने, एवं शिक्षण संस्थान के निकट नियम विरुद्ध विक्रय करने पर सरगुजा पुलिस, स्वास्थ्य विभाग एवं खाद्य व औषधि विभाग के संयुक्त दल द्वारा कार्रवाई की जा रही है। टीम द्वारा ठेला संचालकों, दुकानों पर चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल के निर्देश एवं राष्ट्रीय तम्बाखू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सीएमएचओ डॉ. पीएस मार्को के नेतृत्व में कोतवाली थाना अंतर्गत संयुक्त दल द्वारा कोटपा अधिनियम के उल्लंघन करने पर चौपाटी, बनारस रोड़, मनेन्द्रगढ़ रोड़ में बिना वैधानिक चेतावनी वाले सिगरेट, तम्बाकू उत्पाद, पान-मसाला विक्रेता द्वारा बैठक व्यवस्था बनाकर सिगरेट पिलाने, सार्वजनिक स्थल में सिगरेट पीने वाले पर कार्रवाई करते हुए कुल 14 लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इनसे 1800 रूपये समन शुल्क वसूले गए हैं। कोटपा एक्ट के तहत सार्वजनिक स्थान जैसे चौक-चौराहे, हॉटल, रेस्टोरेंट, पार्क, सिनेमा गृह, लॉज में धूम्रपान को उपयोग किया जाना पूर्णतः वर्जित है। कोटपा एक्ट की धारा 6 के अनुसार शिक्षण संस्थानों कोचिंग सेंटर की 100 गज की दूरी तक तम्बाकू उत्पाद की बिक्री गैर कानूनी है। 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के द्वारा तम्बाकू उत्पाद बेचा जाना या उपभोग करना सज्ञेय अपराध की श्रेणी में रखा गया है, शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज (91 मीटर) की दूरी पर धूम्रपान अथवा तम्बाकू का क्रय-विक्रय तथा सेवन पूर्णतः वर्जित है। इसके बावजूद कई पान-मसाला विक्रेता के यहां धूम्रपान करते हुए व्यक्ति पाये गये जिनके ऊपर कोटपा अधिनियम के तहत चालानी कार्यवाही की गई, भविष्य में सार्वजनिक स्थल, शैक्षणिक संस्थानों के समीप धूम्रपान करने वाले एवं अमानक रूप से तम्बाकू उत्पाद के क्रय विक्रय करने पर संचालनों के विरूद्ध सील बंद की कार्यवाही की जायगी।

दहेजवार में हुए तिहरे हत्याकांड मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री से मिले परिजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर के दहेजवार में हुए तिहरे हत्याकांड में पुलिस करवाई एवं अभिमत के विरोध में न्याय की मांग को लेकर मृतकों के परिजनों ने सोमवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव से मुलाकात की है। मृतका कौशल्या ठाकुर की पुत्री मधु ठाकुर ने पूर्व उपमुख्यमंत्री को बताया कि इस हत्याकांड की विवेचना में प्रेम-प्रसंग की बात लाना वास्तव में मृतकों का चरित्र हनन है। मृतकों के गायब होने के बाद से पुलिस ने जो लापरवाही भरा रवैया अपनाया था वही रवैया हत्याकांड की विवेचना में भी पुलिस ने अपनाया है। गौरतलब हो कि पूर्व में नाई सेन समाज की ओर से प्रशासन को ज्ञापन सौंप निष्पक्ष जांच के साथ ही मृतका की पुत्री के लिए सहायता की मांग की थी। मृतकों के परिजनों के साथ आये नाई सेन समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष अविनाश कुमार ने इसकी जानकारी पूर्व उपमुख्यमंत्री को दी। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने मृतका की पुत्री को आश्वस्त किया है कि इस घटना की निष्पक्ष जांच के साथ ही परिवार के आर्थिक सहायता के लिए वो मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे।

एनएसयूआई सरगुजा के जिला अध्यक्ष बने आशीष

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एनएसयूआई के राष्ट्रीय एवं प्रदेश इकाई ने छत्तीसगढ़ में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति है। जिसमें सरगुजा जिला में आशीष जायसवाल को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया एवं छात्रों के मुद्दे को उठाने के लिए निर्देश दिया गया है। आशीष से इस नियुक्ति के लिए पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, आदित्येश्वर शरण सिंह देव, राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी, प्रदेश प्रभारी आकाश चौधरी प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे का धन्यवाद किया है।

भाजपा सरगुजा जिला संगठन पर्व कार्यशाला संपन्न

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

प्रदेश भाजपा के निर्देशानुसार सरगुजा जिला संगठन पर्व कार्यशाला संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में संपन्न हुआ। भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह की अध्यक्षता में गत सोमवार शाम को हुए कार्यशाला में जिला चुनाव अधिकारी एवं मुख्य अतिथि गुरुपाल सिंह भल्ला एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, सह चुनाव अधिकारी सुनील गुप्ता, युवा आयोग प्रदेश अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर शामिल हुए।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए गुरुपाल सिंह भल्ला ने बताया कि आगामी 5 दिसम्बर तक सक्रिय सदस्यता की सूची का प्रकाशन होगा। आगामी 6 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक मंडल इकाइयों के चुनाव और उसके बाद 16 दिसम्बर से 25 दिसम्बर तक जिलों के चुनाव सम्पन्न होंगे। मंडल अध्यक्ष के लिए आयु सीमा अधिकतम 45 वर्ष निश्चित की गई है। इसी तरह जिला अध्यक्ष के लिए आयु सीमा अधिकतम 60 वर्ष निश्चित की गई है। भल्ला ने बताया कि इन सभी चुनावों के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से बातचीत करके सर्वानुमति बनाई जाएगी। भाजपा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने संगठन के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी सांझा किया तथा उन्होंने छत्तीसगढ़ में भाजपा के 60 लाख सदस्य बनना ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि केवल छत्तीसगढ़ में इतनी बड़ी संख्या में सदस्यो का भाजपा में जुडना़ भाजपा की विचारधारा और कार्यों पर मुहर है। भाजपा सरगुजा जिला में सदस्यता को ले कर कीर्तिमान स्थापित होने पर उन्होंने संगठन की पूरी टीम को बधाई दिया है।

अपने संबोधन में विधायक राजेश अग्रवाल ने कहा कि भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने जिस अपेक्षा व विश्वास के साथ भाजपा सरगुजा के लिए सदस्यता का जो लक्ष्य तय किया था जिला के हम सब कार्यकर्ताओं ने उसे पूरा किया है और संगठन महापर्व को नई संजीवनी देने तथा नए सदस्यों व कार्यकताओं को जोडऩे का कार्य किया है। निर्धारित लक्ष्य को पार करके दो लाख से अधिक भाजपा सदस्य बनने पर जिला के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को राजेश अग्रवाल ने बधाई दी। चुनाव सह अधिकारी सुनील गुप्ता ने संगठन चुनाव से संबंधित मंडलवार कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन दिए। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता ने तथा आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष मंजूषा भगत ने किया। इस मौक़े पर अपेक्षित कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

निगम के प्लेसमेंट कर्मचारी आज से रहेंगे अनिश्चिकालीन हड़ताल पर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर नगरीय निकायों के कर्मचारियों ने 3 दिसंबर से सामुहिक अवकाश पर रहने का निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के प्रदेश स्तरीय आह्वन पर यह निणर्य लिय गया है। मंगलवार को अंबिकापुर नगर निगम के प्लेसमेंट कर्मचारियों ने निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर अनिश्चितकालीन ड़ताल पर जाने की सूचना दी है। मांगों में समस्त नगरीय निकायों से प्लेस्मेंट, ठेका प्रथा को समाप्त कर प्लेसमेंट कर्मचारियों को निकायों में समायोजित किया जाए, नगरीय निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारियों को केन्द्र से जारी न्यूनतम मजदूरी दर पर वेतन का भुगतान किया जाए,नगरीय निकायों के कार्यरत किसी भी प्लेसमेंट कर्मी को हड़ताल के दौरान कार्य से पृथक न किया जाए।

40 हजार में बेचा पिस्टल,गिरफ्तार

- संवाददाता -
बलरामपुर,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के शंकरगढ निवासी कृषक व उपसरपंच पर गोली चलाने की घटना में एक और गिरफ्तारी हुई है। घटना में प्रयुक्त पिस्टल 40 हजार रुपये में बिक्री करने वाले आरोपित ग्राम नवाडीह थाना पाटन पलामू निवासी अभिषेक तिवारी (30) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना में शामिल चार आरोपितों को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। जमीन संबंधी पुराने विवाद पर किसान को गोली मारी गई थी। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम परेवा निवासी वासुदेव यादव (55) पर 19 अक्टूबर की शाम बाइक सवार युवकों ने गोली मारी थी। घटना के समय वे टमाटर के खेत से बाइक से लौट रहे थे। किसान को तत्काल अस्पताल में भर्ती किया गया था। वासुदेव यादव को गोली मारने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने कुछ दिनों में ही पिस्टल उपलब्ध कराने व वारदात को अंजाम देने में सहयोग करने वाले दो-दो सहित चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ में जमीन विवाद की रंजिश में गोली मारने की बात सामने आई थी।पुलिस ने शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम परेवा निवासी सुकेश यादव (22) ,ग्राम गिरजापुर निवासी संतोष पैंकरा उर्फ बोखा (25) ,उसके बड़े भाई विश्वनाथ पैंकरा (28) तथा झारखंड के डाल्टनगंज सिंचाई कॉलोनी निवासी अश्विनी चौबे (28) को गिरफ्तार कर उनके पास से घटना में प्रयुक्त पिस्टल, चार खाली कारतूस, एक मैग्जीन, दो जिंदा कारतूस, दो बाइक व एक मोबाइल जब्त किया था। आरोपितों को जेल भेजने के साथ पुलिस की जांच जारी थी। पुलिस जांच में पता चला था कि आरोपितों को अभिषेक तिवारी ने पिस्टल उपलब्ध कराया था।

सुकेश यादव,संतोष पैकरा, अश्विनी चौबे ने डाल्टेनगंज मे आरोपित अभिषेक तिवारी से संपर्क कर 40 हजार में पिस्टल खरीदा था। आरोपित अभिषेक तिवारी को 20 हजार रुपये नकद दिया गया था। शेष 20 हजार रुपये आनलाइन ट्रांसफर किया गया था। आरोपित अभिषेक तिवारी के विरूद्ध धारा 25,27 आर्म्स एक्ट की कार्रवाई की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर शासकीय मेडिकल कालेजों में वित्तीय सुधारों की दिशा में बड़ा कदम

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में शासकीय मेडिकल कालेजों की स्वशासी सोसायटियों की हुई बैठक

- चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संबद्ध चिकित्सालयों में वृहद प्रशासनिक एवं वित्तीय सुधारों का हुआ अनुमोदन
- स्थानीय स्तर पर बड़े निर्णय ले सकेंगी स्वशासी सोसाइटियां,प्रबंधकारिणी समिति को 2 करोड़ रूपए तक के अनुमोदन का मिला अधिकार
- राज्य गठन के बाद पहली बार नियमों में संशोधन, अधिष्ठाता एवं अस्पताल अधीक्षक के बढ़े अधिकार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग में वित्तीय सुधारों की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। विष्णु के सुशासन में राज्य सरकार जनहित में लगातार नीतिगत निर्णय ले रही है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस दिशा में प्रयास करते हुए अपने सुझाव सामने रखे थे। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में राज्य के 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के स्वशासी सोसायटियों की बैठक में आज चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संबद्ध चिकित्सालयों के वित्तीय विकेंद्रीकरण के विस्तार के लिए कई महत्वपूर्ण एवं जनहित के निर्णय लिए गए हैं। इन निर्णयों से महाविद्यालय स्तर पर स्वशासी सोसायटियों का सुदृढिकरण होगा, आवश्यक कार्यों के लिए शासन पर निर्भरता कम होगी, अतिआवश्यक कार्य समय सीमा पर संपन्न हो सकेंगे और तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति चिकित्सा महाविद्यालय स्तर पर ही हो जाएगी।

चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संबद्ध अस्पतालो के लिए अतिआवश्यक दवाइयां, चिकित्सकीय उपकरणों की खरीदी मरम्मत एवं रखरखाव, कन्ज्यूमेबल सामग्री इत्यादि की तात्कालिक उपचार के लिए आवश्यकता पड़ती रहती है। लेकिन मेडिकल कालेजों के अधिष्ठाता एवं अस्पताल अधीक्षकों के पास इन्हें खरीदने अथवा मरम्मत के लिए बहुत ही सीमित शक्तियों का प्रावधान था। इसकी वजह से इन्हें शासन स्तर के निर्णय पर निर्भर रहना पड़ता था। ये नियम छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पूर्व से चला आ रहा था । राज्य गठन के बाद पहली बार वित्तीय अधिकारों के नियम मे संशोधन किया जा रहा है।

पहले मेडिकल कालेजों के अधिष्ठाता एवं अस्पताल अधीक्षकों को 1 लाख रूपए से उपर के लघु निर्माण, मरम्मत, दवा खरीदी इत्यादि कार्यों के लिए मंत्रालय स्तर पर फाइल भेजनी पड़ती थी। नए निर्णय से अब इनके पास 10 लाख रूपए तक का वित्तीय अधिकार होगा। इसके लिए शासन स्तर से किसी अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी। औजारों एवं लघु उपकरणों की खरीदी अथवा मरम्मत के लिए 1 लाख रूपए तक का वित्तीय अधिकार था जिसे अब बढ़ाकर 10 लाख रूपए करने की सहमति स्वशासी समिति की बैठक में दी गयी है। इसी तरह से भण्डार तथा रिएजेंट की खरीदी के लिए 20 हजार रूपए तक की शक्तियां थी जिन्हें बढ़ाकर अधिष्ठाता एवं अस्पताल अधीक्षक को पूर्ण शक्तियां प्रदान करने की अनुशंसा की गयी है। इस वित्तीय विकेंद्रीकरण से स्वाशासी समिति कार्यसंपन्न बनेगी और बहुमूल्य समय की बचत होगी। इससे मरीजों को दवाइयों एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का त्वरित लाभ मिलेगा।

स्वशासी सोसायटियों का पुनर्गठन

राज्य के 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संबद्ध चिकित्सालयों की स्वशासी सोसायटियों का गठन महाविद्यालय की स्थापना के साथ अलग अलग समय पर हुआ है। इन सोसायटियों के लिए कोई एक निर्धारित गाइड लाइन या नियमावली का निर्धारण नहीं किया गया है और इनमें एकरूपता नहीं है। इन सोसायटियों को होने वाली आय व्यय के अनुमोदन के लिए भी कोई मानकीकरण प्रक्रिया नहीं है। इनमें एकरूपता लाने के लिए माडल स्वशासी सोसायटियों का ड्राफ्ट प्रशासकीय विभाग द्वारा अनुमोदित कर जारी किया गया है। पूर्व में सिर्फ सामान्य सभा को ही अधिकार प्राप्त थे, लेकिन नए ड्राफ्ट के अनुसार सामान्य सभा के अधिकारों का विस्तार करते हुए प्रबंधकारिणी समिति और वित्त समिति के अधिकारों में बदलाव किए गए हैं।

इन बदलावों के अनुसार सामान्य सभा को पूर्ण अधिकार के साथ ही अब प्रबंधकारिणी समिति को प्रति कार्य 2 करोड़ रूपए तक अनुमोदन का अधिकार होगा, पहले ये अधिकार नहीं था। वित्त समिति को प्रति कार्य 10 लाख रूपए तक के अनुमोदन का अधिकार दिया गया है, पहले कोई अधिकार नहीं था। केंद्र अथवा राज्य शासन के विभिन्न योजनाओं से स्वशासी समिति को प्राप्त राशि, आवंटन अथवा अनुदान में से सामान्य सभा को खर्च व अनुमोदन का पूर्ण अधिकार होगा वहीं इसी राशि में से प्रबंधकारिणी समिति को 5 करोड़ रूपए तक की राशि के अनुमोदन का अधिकार होगा।

अभी तक राज्य शासन से आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत प्राप्त क्लेम का 25 फीसदी ही संबंधित चिकित्सा महाविद्यालय की स्वशासी सोसायटी को प्राप्त होता था। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में इसे बढ़ाकर 45 फीसदी कर दिया गया है। इसके साथ ही एक बड़ा बदलाव करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल की अध्यक्षता में ये निर्णय लिया गया है कि शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध चिकित्सालयों को राज्य बजट से दवाइयां मद तथा भण्डार एवं रिएजेंट मद में प्राप्त बजट का 10 फीसदी राशि का आवंटन होता था। इसे बढ़ाकर 25 फीसदी कर दिया गया है। इन फैसलों से मेडिकल कालेजो को वित्तीय रुप से सशक्त बनाने के लिए वित्तीय विकेंद्रीकरण कर मेडिकल कालेजों की स्वशासी सोसायटियों को पुनर्गठित किया गया है।

नवा रायपुर के महानदी भवन से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए स्वशासी सोसायटियों को संबोधत करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि विष्णु के सुशासन में मेडिकला कालेजों मे वित्तीय अनुशासन एवं सुधारों के जरिए बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं। ये निर्णय तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के लिए उठाया गया एक बड़ा कदम है। इन निर्णयों से हम मेडिकल कालेजो को अधिकार संपन्न बना रहे है ताकि छोटी जरूरतों के लिए उन्हे निर्भर न रहना पड़े और जनहित मे वो आवश्यक निर्णय तत्काल लेकर मरीजों की बेहतरी के लिए काम कर सकें।

बैठक में चिकित्सा शिक्षा विभाग की आयुक्त श्रीमती किरण कौशल उपस्थित थीं । वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी स्वशासी सोसाइटी के जनप्रतिनिधि सदस्य, संभाग आयुक्त, संबंधित जिलों के कलेक्टर, मेडिकल कॉलेजों के डीन और अस्पताल अधीक्षक भी बैठक में शामिल हुए।

गाजा पर इजरायल के हमले तेज,एयरस्ट्राइक में मारे गए 14 लोग,नागरिकों को जगह खाली करने का आदेश

काहिरा,03 दिसम्बर 2024। मंगलवार को गाजा पट्टी में इजरायली सैन्य हमलों में कम से कम 14 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें से ज़्यादातर उत्तरी छोर पर स्थित बेत लाहिया शहर में थे। इस बात की जानकारी चिकित्सकों ने दी है। इसी के साथ इजरायली सेना ने छोटे से इलाके के दक्षिणी हिस्से में नए निकासी आदेश जारी किए हैं। चिकित्सकों ने बताया कि बेत लाहिया में हुए हमलों में आठ लोग मारे गए हैं, जबकि गाजा शहर में अन्य जगहों पर चार अन्य लोग मारे गए हैं।

इजरायल ने किया हवाई हमला

चिकित्सकों का कहना है कि उत्तरी गाजा पट्टी में गाजा के आठ ऐतिहासिक शरणार्थी शिविरों में से सबसे बड़े जबालिया में इजरायली हवाई हमले में बाद में दो लोगों की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए। बता दें कि इजरायली सेना अक्टूबर से जबालिया और बेत लाहिया तथा बेत हनून शहरों में अभियान चला रही है।

इजरायली सेना ने कहा है कि ऑपरेशन शुरू होने के बाद से उसके बलों ने तीन स्थानों पर सैकड़ों आतंकवादियों को मार गिराया है। गाजा पर शासन करने वाले उग्रवादी फिलिस्तीनी समूह हमास और इस्लामिक जिहाद सशस्त्र विंग ने कहा है कि उनके लड़ाकों ने उसी अवधि के दौरान घात लगाकर कई इजरायली सैनिकों को मार गिराया।

फिलिस्तीनियों का इजरायल पर आरोप

फिलिस्तीनियों ने इजरायल की सेना पर आरोप लगाया है कि वह लोगों को जबरन खाली करवाकर और बमबारी करके गाजा के उत्तरी किनारे से एक बफर जोन बनाने की कोशिश कर रही है। हालांकि, सेना ने इससे इनकार किया है। इजरायली सेना का कहना है कि वह हमास के लड़ाकों को उस क्षेत्र में फिर से इकट्ठा होने से रोकने के लिए वहां लौटी है,जहां से उसने पहले उन्हें हटा दिया था। फिलिस्तीनी नागरिक आपातकालीन सेवा ने कहा कि जबालिया, बेत लाहिया और बेत हनून में इसके संचालन को अब लगभग चार सप्ताह के लिए रोक दिया गया है, क्योंकि उनकी टीमों पर इजरायली हमले और ईंधन की कमी है। मंगलवार को इस सेवा ने कहा कि मध्य और दक्षिणी गाजा पट्टी में 27 में से 13 वाहन भी ईंधन की कमी के कारण संचालन से बाहर हैं। बताया गया कि युद्ध शुरू होने के बाद से नागरिक आपातकालीन सेवा के 88 सदस्य मारे गए हैं, 304 घायल हुए हैं और 21 को इजरायल ने हिरासत में लिया है।

इजरायल ने दिए यूनिस शहर को खाली करने के आदेश

इजराइली सेना ने मंगलवार को गाजा पट्टी के दक्षिण में स्थित खान यूनिस शहर के उत्तरी जिलों के निवासियों को निकासी के आदेश जारी किए, जिसमें उन क्षेत्रों से आतंकवादियों द्वारा रॉकेट दागे जाने का हवाला दिया गया। इन आदेशों के कारण परिवारों को जल्दी-जल्दी पलायन करना पड़ा, ज्यादातर भोर से पहले, पश्चिमी दिशा में। सेना ने एक्स पर एक बयान में कहा, ÷अपनी सुरक्षा के लिए, आपको तुरंत क्षेत्र खाली करना चाहिए और मानवीय क्षेत्र में चले जाना चाहिए।

क्या बोले संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी?

फिलिस्तीनी और संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों का कहना है कि इस क्षेत्र में कोई सुरक्षित क्षेत्र नहीं है। गाजा के 2.3 मिलियन लोगों में से अधिकांश लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हो चुके हैं, पिछले साल युद्ध शुरू होने के बाद से कुछ लोग 10 बार विस्थापित हो चुके हैं।

एक साल से जारी है संघर्ष

इजरायल के आंकड़ों के अनुसार, 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के नेतृत्व वाले लड़ाकों द्वारा इजरायली समुदायों पर हमला करने के बाद इजरायल ने घनी आबादी वाले फिलिस्तीनी इलाके में अपना अभियान शुरू किया, जिसमें 1,200 लोग मारे गए और 250 से अधिक बंधकों को पकड़ लिया गया। इजरायल के सैन्य अभियान में 44,400 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए, कई अन्य घायल हुए और इलाके का अधिकांश हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया।

बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त तलब, वीजा और काउंसलर सेवाएं निलंबित

नई दिल्ली,03 दिसम्बर 2024। अगरतला में बांग्लादेश सहायक उच्चायोग के बाहर हिंदू नेता चिन्मय दास की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बाद मंगलवार को पूछताछ के लिए भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया गया। इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। उन पर बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास में घुसने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया।

सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संगबाद संस्था (बीएसएस) ने कहा कि भारतीय दूत शाम 4 बजे विदेश मंत्रालय में दाखिल हुए। भारतीय उच्चायुक्त को कार्यवाहक विदेश सचिव रियाज हमीदुल्लाह ने तलब किया।

भारत-बांग्लादेश के बीच फिर क्यों बढ़ा तनाव?

बता दें कि 5 अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत आने के बाद से दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। पिछले हफ्ते हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद यह तनाव और बढ़ गया है।

वाणिज्य दूतावास सेवाएं अगले आदेश तक निलंबित

एक अधिकारी ने मंगलवार को यहां बताया कि सुरक्षा कारणों से अगरतला में बांग्लादेश सहायक उच्चायोग में सभी वाणिज्य दूतावास सेवाएं अगले आदेश तक निलंबित रहेंगी। यह घोषणा पड़ोसी देश में हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों के एक समूह द्वारा बांग्लादेश मिशन के परिसर में घुसने के एक दिन बाद की गई।

वीजा और काउंसलर सेवाएं निलंबित

बांग्लादेश मिशन के प्रथम सचिव एमडी अल-अमीन ने कहा कि सुरक्षा स्थिति को देखते हुए अगरतला स्थित बांग्लादेश सहायक उच्चायोग में सभी वीजा और काउंसलर सेवाएं अगले आदेश तक निलंबित रहेंगी। यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

तीन पुलिस अधिकारियों को भी निलंबित किया गया

अगरतला में बांग्लादेश सहायक उच्चायोग में सोमवार को एक अनियंत्रित भीड़ द्वारा सुरक्षा बैरिकेड तोड़कर संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। बांग्लादेशी राष्ट्रीय ध्वज को हटाने के कुछ घंटों बाद त्रिपुरा पुलिस ने इस घटना के लिए सात लोगों को गिरफ्तार किया और तीन पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया।

चौबीसों घंटे गश्त जारी

बांग्लादेश सहायक उच्चायोग परिसर के पास अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है और आगे की घटनाओं को रोकने के लिए चौबीसों घंटे मोबाइल गश्त की जा रही है। जिन तीन पुलिस कर्मियों के खिलाफ ड्यूटी में लापरवाही के लिए विभागीय कार्यवाही शुरू की गई है, उनकी पहचान सब-इंस्पेक्टर दिलू जमातिया और जॉयनल हुसैन और सार्जेंट देबब्रत सिन्हा के रूप में की गई है। एसपी (सुरक्षा) कार्यालय के तहत एक डीएसपी स्तर के अधिकारी को भी ड्यूटी से हटा दिया गया है।

भारत ने जताया कड़ा विरोध

सोमवार को बांग्लादेश की सीमा से लगे त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में बांग्लादेश उप-उच्चायोग के परिसर में तोड़फोड़ की घटना पर भारत ने खेद जताया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में वाणिज्य दूतावास की संपत्तियों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए और सरकार इस घटना के बाद भारत में बांग्लादेशी मिशनों की सुरक्षा बढ़ा रही है।

अगरतला में वाणिज्य दूतावास पर हमले के बाद बांग्लादेश नाराज, भारतीय उच्चायुक्त को किया तलब

ढाका, 03 दिसम्बर 2024। अगरतला में बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास पर प्रदर्शनकारियों के हमले पर बांग्लादेश ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया है। बांग्लादेश की मीडिया के मुताबिक प्रणय वर्मा बांग्लादेश के कार्यवाहक विदेश सचिव रियाज हमीदुल्ला से मिलने पहुंचे। विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने भी भारतीय उच्चायुक्त को तलब करने की बात स्वीकार की। वहीं बांग्लादेश के अगरतला स्थित बांग्लादेश सहायक उच्चायोग में वीजा और काउंसलर सेवाओं को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है।

सोमवार को अगरतला में बांग्लादेशी सहायक उच्चायोग के परिसर में कथित तौर पर 50 से अधिक प्रदर्शनकारियों ने प्रवेश किया था। मामले में विदेश मंत्रालय ने कहा, अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग में परिसर में घुसपैठ की घटना बेहद खेदजनक है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग और भारत में देश के अन्य मिशनों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कार्रवाई कर रही है। वही बांग्लादेश सरकार ने कहा कि वह बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग के परिसर में सोमवार को हिंदू संघर्ष समिति के प्रदर्शनकारियों के एक बड़े समूह द्वारा किए गए हिंसक प्रदर्शन और हमले पर गहरी नाराजगी जताती है तथा इस घटना पर तत्काल कार्रवाई और गहन जांच की मांग करती है।

भारत-बांग्लादेश के संबंध एक मुद्दे तक सीमित नहीं: प्रणय वर्मा

बांग्लादेश विदेश मंत्रालय की ओर से तलब किए जाने के बाद भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने कहा कि भारत-बांग्लादेश के बीच बहुआयामी और व्यापक संबंध हैं, इनको एक मुद्दे या एजेंडे तक सीमित नहीं किया जा सकता। हम सकारात्मक, स्थिर, रचनात्मक संबंधों के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। इसके लिए हम बहुत सी चीजें कर रहे हैं। यह सुनिश्चित करते रहेंगे कि हमारे सहयोग से हमारे दोनों देशों के लोगों को लाभ मिले।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में हमारे संबंधों मे सकारात्मक प्रगति हुई है, चाहे वह व्यापार हो, बिजली पारेषण हो, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति हो, हमने काफी सकारात्मक गति बनाए रखी है। हम बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं और शांति, सुरक्षा और विकास में हमारी साझा आकांक्षाओं को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

रेडक्रॉस सोसायटी सरगुजा शाखा हेतु नवीन प्रबंध समिति का गठन होगा 13 दिसंबर को

- संवाददाता -

अंबिकापुर,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सीएमएचओ एवं सचिव रेडक्रास सोसायटी ने बताया कि भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा वर्ष-2024-27 हेतु नवीन प्रबंध समिति के गठन (चुनाव) हेतु कलेक्टर एवं अध्यक्ष रेडक्रास सोसायटी, सरगुजा की अध्यक्षता में 13 दिसंबर 2024 को प्रातः 11:00 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आम सभा का आयोजन किया गया है। उक्त बैठक में नवीन प्रबंध समिति हेतु चेयरमैन, वाईस चेयरमैन, कोषाध्यक्ष एवं राज्य प्रबंधक का चयन, आमसभा में पैट्रन, वाईस पैट्रन एवं आजीवन सदस्यों के माध्यम से किया जाना है।

7 दिसम्बर को मनाया जाएगा सशस्त्र सेना झण्डा दिवस

» सैनिक कल्याण हेतु स्वेच्छा से झण्डा दिवस पर दान कर इस पवित्र कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें...

- संवाददाता -

अंबिकापुर,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन उमेद सिंह चारण ने बताया कि भारतीय सशस्त्र सेनाओं के जो जवान देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गए हैं, उनका पुण्य स्मरण करने हेतु उनके सम्मान में प्रतिवर्ष सम्पूर्ण देश में ÷सशस्त्र सेना झण्डा दिवस÷ 07 दिसम्बर को मनाया जाता है। इस पुनीत कार्य हेतु इस बहुमूल्य दिन को याद कर उन्होंने सभी नागरिकों से स्वेच्छा से झण्डा दिवस पर दान कर इस पवित्र कार्य में अपना सहयोग प्रदान करने की अपील की है। यह दान की राशि से वीर नारियों के पुर्नवास, आश्रितों एवं दिव्यांग, अपंग हुए जवान और सैनिकों के कल्याण हेतु खर्च की जाती है। दान हेतु जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, अम्बिकापुर से सम्पर्क किया जा सकता है। यह दान राशि आयकर से पूर्ण रूप से मुक्त है। उनहोंने स्वेच्छा से सहृदयता पूर्वक अपने देश के लिए गर्व से दान करने की अपील की है।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 दिसम्बर को

- संवाददाता -

अंबिकापुर,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिले में नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 दिसंबर 2024 को किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत के सफलतापूर्वक संपादन हेतु खंडपीठ की स्थापना की गई है। जिसमें कलेक्टर, अपर कलेक्टर, नजूल अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार संबंधित खण्डपीठ के पीठासीन अधिकारी होंगे तथा प्रभारी अधिकारी, राजस्व शाखा नोडल अधिकारी होंगे। कलेक्टर सरगुजा ने सभी राजस्व अधिकारियों को अपने क्षेत्रातंर्गत विधि द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 14 दिसम्बर 2024 को राजस्व दाण्डिक, भू-अर्जन, आर.बी.सी. 6-4 व विविध प्रकरणों का निराकरण करने निर्देशित किया है।

कीटनाशक सेवन कर युवक ने दी जान

- संवाददाता -

अंबिकापुर,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अज्ञात कारण से एक युवक ने कीटनाशक सेवन कर लिया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अमृत तिर्की पिता स्व. कमल तिर्की उम्र 35 वर्ष जशपुर जिले के ग्राम गढककेया का रहने वाला था। वह 29 नवंबर को अज्ञात कारण से कीटनाशक सेवन कर लिया था। परिजन उसे इलाज के लिए बगीचा अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया था। परिजन उसे 30 नवंबर को मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती काकर इलाज करा रहे थे। यहां इलाज के दौरान सोमवार की शाम को उसकी मौत हो गई।

सरगुजा जिले के अभ्यर्थियों हेतु 05 एवं 11 दिसम्बर को आयोजित होगी अग्निवीर भर्ती शारीरिक दक्षता परीक्षा

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 03 दिसम्बर 2024(घटती-घटना)।

उपसंचालक, रोजगार ने बताया कि भारतीय थल सेना द्वारा अग्निवीर भर्ती हेतु माह अप्रैल 2024 में आयोजित लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा 04 दिसम्बर से 12 दिसम्बर 2024 तक जिला मुख्यालय रायगढ़ स्टेडियम में आयोजित किया गया है जिसमें सरगुजा जिले के अभ्यर्थियों के लिए 05 दिसम्बर 2024 एवं 11 दिसम्बर 2024 को उपस्थित होने हेतु तिथि निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थियों के आवास एवं ठहरने की व्यवस्था रैन बसेरा केवड़ाबाड़ी, बस स्टैण्ड नया मंगल भवन केवड़ाबाड़ी में किया गया है जिसके प्रभारी श्री धर्मेन्द्र पाण्डेय एवं सहायक प्रभारी श्री रोशन यादव हैं। उन्होंने जिले के ऐसे समस्त अभ्यर्थी जो माह अप्रैल 2024 में आयोजित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण किये हैं को सूचित करते हुए कहा है कि वे शारीरिक दक्षता परीक्षा हेतु उक्त दिनांक को निर्धारित समय एवं तिथि पर जिला मुख्यालय रायगढ़ में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगें। किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर उक्त प्रभारी एवं सहायक प्रभारी से सम्पर्क कर सकते हैं।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत,दूसरा गंभीर

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के भगवानपुर के पास सोमवार की शाम को ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक युवक की मौत हो गई। वहीं दूसरे युवक का मिशन अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार दशरथ तुर्री पिता राजू तुर्री सूरजपुर जिले के भैयाथान थाना क्षेत्र के ग्राम सत्यनगर का रहने वाला था। वह सोमवारर को बाइक से बेगरू के साथ अंबिकापुर आ रहा था। रास्ते में भगवानपुर के पास ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दशरथ को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पतल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं बेगरू का इलाज मिशन अस्पताल में चल रहा है।

बिना लेनदेन के किसी भी फाइल को बढ़ाने में रुचि नहीं ले रहे हैं अधिकारी एवं लिपिक,पैसे डायरेक्ट ना लेकर पान ठेले चाय दुकानों में जमा कराए जा रहे हैं कमीशन के:सूत्र

एंटी करप्शन ब्यूरो की कार्यवाही के बाद भी भ्रष्टाचार पर नहीं लगा है अंकुश

दो लखिया फाइलों के माध्यम से तेजी से पैसे निकालने की प्रक्रिया अभी भी निरंतर जारी

50-50 प्रतिशत वाली पद्धति में बराबर हिस्सेदारी वाले फार्मूले पर महाप्रबंधक कार्यालय में चल रहा कार्य

लगभग 25 करोड रुपए के घोटाले की फाइलों की जांच नितांत आवश्यक,हो सकता है बड़ा भ्रष्टाचार उजागर

-रवि सिंह-
चिरमिरी,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एसईसीएल चिरमिरी क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय का एसीबी की कार्यवाही के बाद आज तक डर और भय का माहौल खत्म नहीं हुआ है,सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विभाग में बैठे बाबू और साहब किसी भी नए व्यक्ति से किसी भी तरह की बात करने के लिए तैयार नहीं है,पुराने सप्लायर और ठेकेदार से ही बातचीत हो रही है और लेनदेन में बड़ी सहजता और सतर्कता बरती जा रही है, घुस के पैसे आसपास के पान ठेले किराना दुकान सहित अन्य किसी दुकानों में पैसे जमा करने की परंपरा फिर से शुरू हो गई है कुछ अधिकारी और कर्मचारी अपनी उधारी पटाने की जिम्मेदारी भी इन सप्लायरों और ठेकेदारों को दे दी है। इस भय भरे माहौल में सिर्फ छोटे अधिकारी कर्मचारी ही डर में नहीं है, बड़े साहब भी इन दिनों किसी से मिल नहीं रहे हैं कंपनी में कार्यरत उनके अधीनस्थ किसी अनजान बाबू और साहब को भी वह संदेह भरी निगाहों से देख रहे है और हर नए व्यक्ति से पूछ रहे हैं कि आप कौन हैं और कहां से आए हैं? क्या उन्हें शायद हर नया व्यक्ति जिसे वे नहीं जानते पहचानते वह ए सी बी का अधिकारी दिख रहा है? वेस्टर्न कोल फील्ड लिमिटेड में सब एरिया मैनेजर के पद पर रहकर काफी भ्रष्टाचार करने वाले कुछ माह के बाद ही सेवानिवृत्ति होने वाले महाप्रबंधक काफी डरे सहमे दिख रहे हैं, उनका दाहिना और बाया हाथ कहे जाने वाले संजय सिंह और श्रीनिवासन एंटी करप्शन ब्यूरो के गिरफ्त में हैं और साहब दहशत में है,दबी जुबान यह भी बात कही जा रही है कि दोनों लोगों ने बड़े साहब के लिए ही इस तरह के पैसा जुगाड़ बनाने का ठेका ले रखा था,साहब की किस्मत शायद उनके साथ नहीं दे रही है डब्ल्युसीएल में भी वह प्रयास किए थे, जिसमें उन्हें वहां पर यातना झेलनी पड़ी थी, यहां भी इन्होंने पैसे कमाने के बहुत सारे हथकंडे अपनी और कमाए भी लेकिन अब एसीबी की दखल से उनके मंसूबे पर पानी फिरता दिख रहा है, साहब बड़े परेशान चल रहे हैं।

जिम्मेदार कौन है ?

मिली जानकारी के अनुसार बड़े साहब के खजांची महोदय के नाम से चर्चित एसीबी के गिरफ्त में गए, अभियुक्त कि पत्नी इन दोनों काफी फायर ब्रांड बनकर उभरी है, उनके द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर यह कहा जा रहा है कि जब इन्हें काला पैसा खाना था तो डायरेक्ट ही ले लेते मेरे पति के माध्यम से अपने पैसे क्यों लेते थे, क्या अब मेरे पति जो 2 साल में रिटायर हो जाने वाले थे, क्या उन्हें रिटायरमेंट में मिलने वाला पैसा मिल पाएगा? क्या जितने दिन वह जेल में रहेंगे उनकी सैलरी उन्हें कहां से मिलेगी, समाज में जो हमारी बदनामी हो रही है उसका जिम्मेदार कौन है क्या इन सभी नुकसान की भरपाई बड़े साहब करेंगे...यदि मामले में सच कहा जाए तो उनका कहना भी गलत नहीं है यदि उन्हें काला धन लेना था तो डायरेक्ट लेते अपना तो ईमानदार बने रहते हैं और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को ढाल बनाकर अपना पूरा काम करते रहते हैं, सूत्रों की यदि मन तो आगे चलकर इस विषय पर बड़ा हंगामा खड़ा होने के संकेत दिख रहे हैं।

फर्जी एस्टीमेट बनाकर लगभग 25-26 करोड रुपए का बड़ा घोटाला:सूत्र

पूरे चिरमिरी क्षेत्र में दो लाख रुपए तक के फर्जी एस्टीमेट बनाकर लगभग 25 से 26 करोड रुपए का बड़ा घोटाला करने वाले अधिकारी और ठेकेदार इन दिनों शेर बने घूम रहे हैं विभाग के कुछ चर्चित अधिकारियों के करीबी ठेकेदार इन दिनों अपने कार्यालय में जाने से भी कतरा रहे हैं, एसईसीएल दफ्तर में एसीबी की कार्रवाई के बाद नहीं दिख रहे हैं, हर एक ओवर शियर के पीछे एक ठेकेदार जोक की तरह चिपका रहता था। दिन भर और देर रात तक महाप्रबंधक उक्त कार्यालय को अपना चारागाह मानने वाले कई ठेकेदार क्षेत्र से फरार है, सभी के चेहरे में बड़ी विरानी देखी जा रही है चिरमिरी क्षेत्र के इन दफ्तरों में कई दर्जन फायदे ऐसी भी हैं जिनका भुगतान पिछले चार-पांच वर्षों से नहीं किया गया है उसकी मूल वजह है कि ठेकेदार और सप्लायर इनके कमीशन खोरी वाले वाले कार्यों में इनका सहयोग नहीं कर रहा है इसी वजह से उन फाइलों में कुछ ना कुछ कमी बात कर पिछले चार-पांच सालों से उक्त फाइल को कभी घुमा दिया जाता है और यदि फाइलो को पुनः कंप्लीट कर दी जाती है तो उन में दर्जनों कमी निकालकर उसे पेंडिंग रखने का खेल खेला जा रहा है इस दफ्तर के महाप्रबंधक यदि ईमानदारी से अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करते तो शायद ठेकेदार और सप्लायर परेशान नहीं रहते।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह सिर्फ अपचारिकता ?

सतर्कता जागरूकता सप्ताह में जिम्मेदार अधिकारी को इस बात का भी हिसाब किताब मांगा जाना चाहिए कि आपके दफ्तर में कितनी फाइलें कितने वर्षों से पेंडिंग है और पेंडिंग रहने की वजह क्या है क्या किसी ठेकेदार और सप्लायर का चार-चार-पांच वर्षों तक पैसा नहीं दिए जाने पर विजिलेंस किसी तरह की कार्रवाई करता है और यदि नहीं करता है तो फिर सतर्कता विभाग ईमानदार नहीं है। देशभर में संचालित रत्न और मिनी रत्न कंपनियां में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए सीवीसी दिल्ली के द्वारा कंपनी स्तर पर चीफ विजिलेंस ऑफिसर की नियुक्ति कर इन पब्लिक सेक्टर की कंपनियों पर उगाही ना हो इसके लिए इन विभागों को बड़ी मजबूती से सक्रिय किया गया था,और इन्हें पावरफुल भी बनाया गया है किंतु दुर्भाग्य वस इन विभागों में जमे भ्रष्ट अधिकारी भी भ्रष्टाचार के दलदल में समा गए और अपने मूल काम से भटक गए हैं,देश को आगे बढ़ाना है तो भ्रष्टाचार को मिटाना है÷ जैसे नारे देकर साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड चिरमिरी क्षेत्र के सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 का आयोजन 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक क्षेत्रीय मुख्यालय में स्थित तानसेन भवन में संपन्न कराया गया था, ÷सत्य निष्ठा की संस्कृति से राष्ट की समृद्धि÷ का दंभ भरने वाले भ्रष्ट अधिकारी और लिपिकों को झूठी शपथ दी लाकर महज़ इस पूरे कार्यक्रम का मजाक बनाकर रख दिया गया है, सी वी सी दिल्ली को ऐसे महज जिम्मेदारी वाले कार्य कर्मो को फॉर्मेलिटी और मजाक बना कर करने वाले अधिकारियों पर कठोर कार्य वाही किए जाने की आवश्यकता है ताकि भ्रष्टाचार जागरूकता वाले आयोजनों को महज़ मज़ाक ना समझा जाए।

11 दिनों तक चली टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता 2024 सम्पन्न

माही इलेवन ने मारी बाजी, द्वितीय विजेता बने व्हाइट टाइगर

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर उपयंत्री शिवराम इडपाचे, पार्षद पति योगेश पालीवाल,रमेश यादव,राजेन्द्र महरा नागरिकगण एवं खेल प्रेमी रामनारायण यादव, अनूप सिंह, नलिनीरंजन महाता, सुजीत पाण्डेय, संजीत दूबे, विपिन मिश्रा, आलोक मित्रा परिषद के कर्मचारी सत्येन्द्र चौहान, अखिलेश सिंह परिहार, तीरथ पनिका, विशाल महतो, हरिश सिंह, अजय राम, मुन्नापाल, धीरेंद्र सिंह, अनुरूद्ध प्रसाद दाहिया, प्रशांत केशरवानी, विजय यादव, व्हाइट टाइगर समिति के सदस्य व आयोजकर्ता गौरव महाता, करूणा निधान सिंह, एजाज अहमद, विपिन दूबे, विनोद श्रीवास्तव, अविनाश यादव, अंतोष कुमार साव, अमित सिंह, नवीन शर्मा,अंकुश सिंह, विशाल, शिवा,जावेद, कमल, राजीव, रमाकांत साहू, मनीष, सूर्यकांत साहू, सुनील कुमार गुप्ता तथा आसपास के क्षेत्र से पहुंचे खिलाड़ी प्रेमी समेत बड़ी संख्या मे लोग उपस्थित रहे।

-बागी कलम-
अनूपपुर 03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

22 अक्टूबर से प्रारंभ टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच 2 दिसंबर को संपन्न हुआ। समापन मैच का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता के छायाचित्र पर पुष्प सुमन अर्पित कर, दीप प्रज्जवलन कर, राष्ट्गान के उपरांत किया गया। कार्यक्रम मे निकाय अध्यक्ष व जिला योजना समिति के सदस्य डॉ. सुनील कुमार चौरसिया मुख्य अतिथि के रूप में एवं अतिथि के रूप में खान प्रबंधक झिरिया भूमिगत खदान आर.बी. नेताम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मनोहर बिंझवार, सभापति जीतेंद्र चौहान, पार्षदगण निर्भय नारायण राव, बिजेंद्र देवांगन, चंदा देवी महरा व अन्य जनप्रतिनिधि अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे। पधारे हुए अतिथियों का व्हाइट टाइगर समिति व सहयोग मे लगे परिषद के कर्मचारियों के द्वारा पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया।

11 दिनो तक चली प्रतियोगिता

टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन व्हाइट टाइगर समिति पौराधार के द्वारा व नगर परिषद डूमरकछार के सहयोग से किया गया था। 11 दिनो से लगातार चल रहे क्रिकेट प्रतियोगिता मैच मे कई टीमो मे भाग लिया जिसमे ब्लैक पेंथर, नगर परिषद डूमरकछार कर्मचारी टीम, फुलवारी टोला टाइगर-11, विक्रमादित्य वार्ड नं 10 की टीम, टीम बैहाटोला व अन्य टीमो ने भाग लेकर बल्लेबाजी,गेंदबाजी, व फिल्डिंग का शानदार प्रदर्शन भी किया।

द्वितीय विजेता बने व्हाइट टाइगर

फाइनल मैच मे छत्तीसगढ़ राज्य के खोंगापानी की टीम माही-11 और पौराधार की टीम व्हाइट टाइगर के बीच मुकाबला हुआ । जिसमे माही-11 की टीम ने 12 ओव्हर मे 158 रन बनाए और व्हाइट टाइगर ने 12 ओव्हर मे 58 रन बनाया। जिसका अंतिम परिणाम प्रथम विजेता माही-11 ने जीता और द्वितीय विजेता व्हाइट टाइगर रहा। विजेता टीम को 15 हजार व उपविजेता टीम को 7 हजार रुपए और ट्रॉफी प्रदान की गयी।

खेल से व्यक्तित्व का विकास होता है:सुनील चौरसिया

कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि अध्यक्ष सुनील चौरसिया ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को खेल के प्रति रुचि लाना और प्रोत्साहित करना था। खेल समाज का अभिन्न अंग है,खेल से व्यक्तित्व का विकास भी होता है और खेल में बेहतर प्रदर्शन आपको एक दिन जिले, राज्य और देश के लिए प्रतिनिधित्व का मौका भी दे सकता है। वही झिरिया भूमिगत के खान प्रबंधक आर.बी. नेताम ने भी समस्त खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी तथा कहा कि खेल मे बेहतर प्रदर्शन कर अपने नगर और जिले का नाम रोशन करे।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र./अ-20(3)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सविता अग्रवाल पत्नी प्रदीप अग्रवाल उम्र 46 वर्ष निवासी लक्ष्मीपुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने सयुक्त स्वामित्व की मोहल्ला लखनपुर रोड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-11 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4531/40 रकबा 0.003/4 भूमि में से अपने आधे अंश की भूमि को निजी कार्यहेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक रंजीता साहू पत्नी डा0 जयप्रकाश साहू जाति तेली निवासी गेहूं बाड़ी मणिपुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0 के पास विक्रयकरने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तोअपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20/12/2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 22/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

11 जुआड़ियों को चौकी बसदई पुलिस ने जुआ खेलते रंगे हाथों पकड़ा

-संवाददाता-
सूरजपुर,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने अवैध कार्यो पर पूरी तरीके से अंकुश लगाने और ऐसे कृत्य मे लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। इसी तारतम्य में दिनांक 03.12.2024 को चौकी बसदेई पुलिस ने मुखबीर से प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम खड़गवां में घेराबंदी कर जुआ खेलते विष्णु देवांगन, संजू उर्फ चांदी, अब्दुल, संदीप साहू, शुभम नाई, समयलाल, मोनू राजवाड़े, गोपाल यादव, सदन साहू, दीप नारायण साहू व राजकुमार को रंगे हाथों पकड़ा जिनके पास व जुआ फड़ से 8200 रूपये जप्त कर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्यवाही किया है।

न्यायालय कलेक्टर,जिला-सरगुजा (अम्बिकापुर) छत्तीसगढ़

रा.प्र.क्र.202411020300052/ /11/अ-23/2024-25

ईश्तहार

अपीलार्थी संतोष कुमार यादव आ0 स्व0 ददन राम यादव, निवासी मौलवी बांध के पास, नमनाकला अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) द्वारा न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के रा0प्र0क्र0 202012021800026 /25/अ-23/2018-2019 ग्राम नमनाकला (पक्षकार शिव बहादुर प्रति नवलसाय व अन्य) में पारित आदेश दिनांक 08/08/2024 के विरूद्ध छ0ग0भू0 राजस्व संहिता 1959 की धारा 44(1) के तहत इस न्यायालय में अपील प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान मे उक्त प्रकरण उत्तरवादीगण (1) शिव बहादुर आ0 शिवमंगल, (2) नवलसाय आ0 बच्चु राम, दोनो निवासी मौलवी बांध के पास, नमनाकला, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0 के इस न्यायालय में उपस्थिति के लिये प्रकरण दिनांक 26/12/2024 को नियत है।

अतः सभी उत्तरवादीगण को सूचित किया जाता है कि वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक 26/12/2024 को इस न्यायालय में दिन के 12:00 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं हाने पर उत्तरवादीगण के विरूद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 29/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — प्रभारी अधिकारी कलेक्टर वाचक शाखा

स्कूल में एयर गन लेकर शिक्षिका को धमकी देने के मामले पर पुलिस ने लिया त्वरित संज्ञान, आरोपी प्रधान पाठक हुआ गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एक प्रधान पाठक के द्वारा स्कूल में बंदूक ले जाकर शिक्षिका को धमकी देने संबंधी न्यूज सोशल एवं वेब मीडिया में वायरल होने पर इसे त्वरित संज्ञान में लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। थाना प्रभारी प्रतापपुर ने बीईओ प्रतापपुर से लिखित रिपोर्ट प्राप्त कर आरोपी प्रधान पाठक सुशील कुमार कौशिक के विरूद्ध धारा 221, 351(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर प्रधान पाठक को गिरफ्तार किया है।

दरसल प्राथमिक शाला बरबसपुर का प्रधान पाठक सुशील कुमार कौशिक दिनांक 21/11/24 को नशे की हालत में बंदूक के साथ शासकीय हाई स्कूल बरबसपुर में घुसकर वहां के संकुल प्राचार्य को दिनांक 20.11.24 को अनुपस्थित क्यों किये हो कहकर गोली मारने की धमकी दिया उसके शाला आने से बच्चों पर बुरा असर पड़ा है।

न्यायालय तहसीलदार,रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0

क्र0/2023/वाचक/तह./2024
रामानुजगंज,दिनांक- 03/12/2024

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम रामानुजगंज को सूचित किया जाता हैकि आवेदक मो0 अकबर आ0 कमरूद्दीन निवासी रामानुजगंज थाना व तहसील रामानुजगंज, जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0 के द्वारा के पुत्री सानीया आफरीन के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

यदि उक्त जांच बिन्दु में वर्णित तथ्य के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 19/12/2024 को अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त नियत समयावधि के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील — तहसीलदार रामानुजगंज

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील जरही, तहसील-प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 ....

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक अशोक कुमार सोनी आ0 स्व0 रामनारायण सोनी निवासी ग्राम पंचायत सोनगरा, तहसील प्रतापपुर जिला-सूरजपुर,छ0ग0 द्वारा अपने पुत्री श्वेता सोनी आ0 अशोक कुमार सोनी का जन्म दिनांक 08/02/2002 को जन्म ग्राम पंचायत सोनगरा में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित दावा आपत्ति दिनांक 12/12/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा बाद में प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नहीं किया जायेगा। ग्रम पंचायत में चस्पा कराकर एवं स्थानीय समाचार में ईश्तहार का प्रकाशन कराया जावें।

यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 26/11/2024 को जारी किया गया।

सील — नायब तहसीलदार जरही,तह.-प्रतापपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील जरही, तहसील-प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 ....

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक अशोक कुमार सोनी आ0 स्व0 रामनारायण सोनी निवासी ग्राम पंचायत सोनगरा, तहसील प्रतापपुर जिला-सूरजपुर,छ0ग0 द्वारा अपने पुत्र संदीप कुमार सोनी आ0 अशोक कुमार सोनी का जन्म दिनांक 18/11/2005 को जन्म ग्राम पंचायत सोनगरा में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित दावा आपत्ति दिनांक 12/12/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा बाद में प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नहीं किया जायेगा। ग्रम पंचायत में चस्पा कराकर एवं स्थानीय समाचार में ईश्तहार का प्रकाशन कराया जावें।

यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 26/11/2024 को जारी किया गया।

सील — नायब तहसीलदार जरही,तह.-प्रतापपुर

कार्यालय अधिष्ठाता
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अम्बिकापुर,सरगुजा (छ0ग0)

Tel.No. 07774-299312 Email- deanmedicalcollegesurguja@gmail.com

क्र./13982/शा.चि.म./स्था./2024 अम्बिकापुर,दिनांक 29/11/2024

//सूचना//

छत्तीसगढ़ शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर छ0ग0 द्वारा ''माननीय उच्च न्यायालय विलासपुर छ.ग. में दायर याचिका के. WP(s)849/2022-Pooja Sahu,WP(s)833/2022 Sushma एवं WP(s)960/2022-Vidhyawati Vishwakarma V/S state of Cg & Other प्रकरण पारित आदेश दिनांक 31/07/2024 के संबंध में दिशा निर्देश प्रदाय करते हुए 'भर्ती प्रक्रिया की आगे की कार्यवाही करने और आगे की भर्ती प्रक्रिया में पात्र उम्मीद्वारों को बुलाने के निर्देश देने तथा यदि याचिकाकर्ता पात्र पाए जाते है, तो उचित आदेश पारित करने हेतु आदेशित किया गया है'।

उपरोक्तानुसार माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ द्वारा पारित आदेश दिनांक 31/07/2024 एवं राज्य शासन द्वारा दिये दिशा निर्देश दिनांक 14/11/2024 के परिपालन में स्टॉफनर्स भर्ती प्रतियोगी परीक्षा में 52 व 51 अंक प्राप्तधारी अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के कुल 15 अभ्यर्थियों में से समिति के समक्ष प्रत्यक्ष उपस्थित कुल 11 अभ्यर्थियों के दस्तावेज परीक्षण दिनांक 26/11/2024 दिन-मंगलवार को कार्यालय अधिष्ठाता, राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा छ0ग0 द्वारा किये जाने के फलस्वरूप पात्र/अपात्र सूची का प्रकाशन किया गया है। जिले महाविद्यालय की वेबसाईट www.gmcambikapur.co.in पर अपलोड व कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दिया गया है।

अतः पात्र/अपात्र सूची पर अभ्यर्थी स्वयं उपस्थित होकर दिनांक 30/11/2024 से 06/12/2024 कार्यालयीन समय में दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकेंगे। डाक अथवा अन्य माध्यम से दावा-आपत्ति आवेदन स्वीकार्य नहीं होगा।
टीप:- विस्तृत जानकारी हेतु अभ्यर्थी महाविद्यालय की वेबसाईट www.gmcambikapur.co.in एवं समाचार पत्रों का सतत अवलोकन करते रहें।

जी0नं0 -242504248/1

अधिष्ठाता
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंह
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय
अम्बिकापुर,सरगुजा (छ0ग0)

क्या प्रशासन की दादागिरी से बिगड़ती है कानून व्यवस्था?

सत्ता भी क्या प्रशासन को दादागिरी के लिए उकसाती है?

क्या मनेंद्रगढ़ प्रशासन की दादागिरी बनी तहसीलदार के मार खाने की वजह...?

डेढ़ लाख का नुकसान भी नहीं बर्दाश्त कर पाया व्यापारी...फिर एक अखबार के संपादक ने कैसे बर्दाश्त किया होगा अपना करोड़ों का नुकसान?

-आजाद कलम-
सरगुजा/एमसीबी 03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

हर बार जनता ही या आम आदमी गलत नहीं होता,कई बार प्रशासन की दादागिरी भी कानून व्यवस्था को खराब करती है और ऐसा कई बार देखा भी गया है हाल ही में ताजा मामला मनेंद्रगढ़ का भी कुछ ऐसा ही है, जब सिर्फ एस्बेस्टस सीट को हटाने को लेकर तहसीलदार ने व्यापारी की बात नहीं मानी और उसे अपना पावर दिखाया,इसके बाद व्यापारी ने भी अपना आपा खाया और तहसीलदार पर हाथों से घूंसा चलाया, व्यापारी का नुकसान तीन चार लाख का बताया जा रहा है वही व्यापारी का कहना है कि इसकी कोई सूचना नहीं दी गई थी कि उसे एस्बेस्टस सीट हटाना है और उसके बावजूद भी तहसीलदार से व्यापारी ने कुछ घंटे की मोहलत मांगी,पर तहसीलदार अपना पावर दिखाते हुए व्यापारी को गाड़ी में बैठाये आगे तक लेकर गए और फिर एक फोन आया उसके बाद तहसीलदार ने कहा चलो काम हो गया,जैसे ही व्यापारी वहां पहुंचा तो देखा कि उसके नए एस्बेस्टस सीटों को तहसीलदार ने जेसीबी से तुड़वा दिया था,इसके बाद व्यापारी गुस्से में आग बबूला हो गया और तहसीलदार पर चला दिया घुसा जो उसे नहीं करना था...क्योंकि ऐसा करना कानून की दृष्टिकोण से सही नहीं है...पर सवाल यह उत्पन्न होता है की क्या प्रशासन की दादागिरी ही कानून व्यवस्था को बिगाड़ रही है? और प्रशासन को दादागिरी करने की छूट कौन दे रहा है? क्या यह वर्तमान सत्ता ही है जो छूट दे रही है? क्योंकि यह बात इसलिए हो रहा है क्योंकि 3 महीने पहले भी कुछ ऐसा ही दृश्य सरगुजा के अंबिकापुर में देखा गया था, जब एक अखबार के संस्थान पर बुलडोजर कार्यवाही की गई थी, वह भी इसलिए क्योंकि वह लगातार शासन प्रशासन की कमियों की खबर प्रकाशन कर रहा था, बस यही उसे अखबार का कसूर था, जिस वजह से प्रशासन को दादागिरी दिखानी पड़ी, पर संस्थान के मालिक ने वह काम नहीं किया जो मनेंद्रगढ़ के व्यापारी ने किया, करोड़ को नुकसान होने के बावजूद भी संस्थान के संपादक ने धैर्य बनाए रखा और अपने नुकसान को सहने की हिम्मत बनाए रखा और कानूनी प्रक्रिया से लड़ने का अधिकार रखा, जो आज कहीं ना कहीं मिसाल है जो इस घटना के बाद लोगों के जुबान पर आ रहा है। आज हम एक ऐसी घटना की चर्चा कर रहे हैं, जो प्रशासन और पत्रकारिता के रिश्तों को कठघरे में खड़ा करती है।

संपादक और उनके अखबार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्भीकता से आवाज उठाई। इस सच्चाई को उजागर करने की कीमत उन्हें प्रशासनिक प्रताड़ना के रूप में चुकानी पड़ी। अखबार पर पहले तो विज्ञापनों की रोक लगाई गई, फिर जब उन्होंने 'कलम बंद अभियान' शुरू किया, तो प्रशासन ने उनके प्रतिष्ठान पर बुलडोजर चलाने का अनुचित कदम उठाया। नोटिस के लिए पर्याप्त समय दिए बिना उनकी वर्षों की मेहनत को मिट्टी में मिला दिया गया। इसके बावजूद,संपादक ने धैर्य और संयम का परिचय देते हुए विरोध केवल अपनी कलम के जरिए दर्ज कराया। यह घटना न केवल प्रशासन की कार्यशैली बल्कि पत्रकारिता की आज़ादी पर भी बड़ा सवाल खड़ा करती है। प्रश्न यह है कि अगर किसी अधिकारी ने गलत किया है, तो क्या कानून को अपने हाथ में लेना उचित है? उचित प्रक्रिया के तहत शिकायत करना और न्यायिक माध्यम अपनाना ही सही रास्ता है। वैसे मनेंद्रगढ़ या अन्य ऐसे मामलों में जहां प्रशासनिक जल्दबाजी या मनमानी सामने आती है वहां भी प्रशासन को यह ध्यान देना चाहिए, कि जबतक लोगों में न्याय के लिए न्यायालय का भरोसा जिंदा है जैसा अविनाश सिंह ने भरोसा जताया कानून और न्यायालय पर तब तक तो अन्याय करके प्रशासन बचा हुआ है आक्रोश से जिसके प्रति मनमानी या अन्याय हुआ है वहीं जैसे ही न्याय का भरोसा साथ ही संयम टूटा मनेंद्रगढ़ जैसी घटना घटनी तय है, इसलिए प्रशासन को यह ध्यान रखना चाहिए कि न्याय और कानून के प्रति आम लोगों का विश्वास कायम रहे, कोई भी ऐसे कार्य को प्रशासनिक अधिकारी अति उत्साह में अंजाम न दे, जिससे कोई व्यक्ति कानून के प्रति ही न्याय और न्यायालय के प्रति ही अविश्वास की भावना का मन में जन्म कर ले। वैसे मनेंद्रगढ़ की घटना तहसीलदार के साथ मारपीट की घटना को लेकर बताया जा रहा है कि तहसीलदार अति उत्साह में थे और वह ऐसा कुछ कर गए की उन्हें उसका खामियाजा सड़क पर सरेआम भुगतना पड़ गया और वह पिटाई के शिकार हो गए मार खा गए। मारपीट करने वाले व्यापारी को कानून सजा नियमानुसार देगा मारपीट का यह तय है लेकिन तहसीलदार की दोषपूर्ण कार्यप्रणाली वह भी पक्षपात पूर्ण कार्यप्रणाली की चर्चा अब आम है।

बेमौसम बारिश की आशंका के मद्देनजर धान खरीदी केंद्रों में बेहतर व्यवस्थाओं करें: कलेक्टर

अपील: किसान अपना धान पूरी तरह सुखाकर और अच्छी तरह से पैक कर लेकर आएं

-संवाददाता-
कोरिया,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिले में बेमौसम बारिश की संभावना को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने धान खरीदी केंद्रों में समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी प्रबंधकों और नोडल अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि किसानों के धान को बारिश से सुरक्षित रखने के लिए पॉलिथीन शीट्स और तिरपाल जैसी सामग्री का पर्याप्त इंतजाम किया जाए।

कलेक्टर ने कहा कि बारिश के दौरान किसानों के धान भीगने से नुकसान हो सकता है, जिसे रोकने के लिए जरूरी है कि खरीदी केंद्रों पर पहले से तैयारी हो। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि खरीदी प्रक्रिया के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे नियमित निरीक्षण करें और सभी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखें। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपना धान पूरी तरह सुखाकर और अच्छी तरह से पैक कर केंद्रों पर लेकर आएं। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा, ÷किसानों की मेहनत की फसल को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होना चाहिए। यह प्रशासन की प्राथमिकता है कि धान खरीदी प्रक्रिया सुचारू और पारदर्शी हो। धान खरीदी केंद्रों में व्यवस्थाओं को लेकर जिला प्रशासन सतर्क है और बेमौसम बारिश की स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

दिव्यांगों के आंदोलन को कुचलने का सरकार ने किया प्रयास?

क्या सरकार फर्जी दिव्यांगों को दे रही संरक्षण और वास्तविक दिव्यांगों को कर रही परेशान?

दिव्यांगों के प्रदर्शन ने लिया उग्र रूप, 1 मंजिला छत से कूदा संघ का अध्यक्ष

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस का बहिष्कार,पुलिस ने रोका पैदल मार्च, दिव्यांगजनों में आक्रोश

-विशेष संवाददाता-
रायपुर,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

क्या सरकार फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र पर नौकरी करने वाले लोगों को संरक्षण दे रही है? यह बात इसलिए हो रही है क्योंकि वास्तविक दिव्यांग सड़कों पर उतरने को मजबूर है, वास्तविक दिव्यांग संघ ने अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर विरोध करने का निर्णय लिया था, इस निर्णय को कुचलने के लिए भी सरकार ने दिव्यांगों को नजरबंद करने का प्रयास किया, पर इसके बावजूद दिव्यांग हार नहीं माने एक मंजिल से कूद कर दिव्यांग संघ के अध्यक्ष ने आंदोलन किया और प्रशासन को दिव्यांगों के सामने झुकना पड़ा और सभी दिव्यांगों को कमरे से बाहर निकाला गया,फिर दिव्यांग सड़क पर बैठकर अपना आंदोलन करते रहे और सरकार के कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े करते रहे, छत्तीसगढ़ दिव्यांग संघ इस समय अपने हक की लड़ाई लड़ रहा है, क्योंकि रसूखदार उनके हकों को हड़पने के लिए फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र पर किसी के ओएसडी बने बैठे हैं तो कोई डिप्टी कलेक्टर बन बैठा है तो कई अन्य पदों पर आसीन है और वही शासन इस मामले की जांच करने से कतरा रहा है ऐसा लग रहा है कि फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र पर नौकरी करने वाले को सरकार संरक्षण दे रही है? क्योंकि इसके पूर्व में भी छत्तीसगढ़ दिव्यांग संघ ने आंदोलन किया था और सरकार आश्वासन दी पर कार्यवाही नहीं की, यहां तक की फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने वाले पर भी कार्यवाही हो इसकी भी मांग हो रही है पर न जाने सरकार क्यों कार्यवाही करने से बच रही?

ज्ञात छत्तीसगढ़ में दिव्यांग संघ का प्रदर्शन आज उग्र रूप ले चुका है। राजधानी रायपुर में दिव्यांगों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। लगभग 300 दिव्यांगों ने सड़क पर बैठकर विरोध किया। इस दौरान, दिव्यांग संघ के अध्यक्ष बोहित राम चंद्राकर ने एक मंजिला छत से कूदने का प्रयास किया, जिससे पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। दिव्यांग संघ का कहना है कि राज्य में सरकारी नौकरियों में दिव्यांगों के लिए आरक्षित पदों पर जो अधिकारी कार्यरत हैं, उनमें से कई के पास फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र हैं। इस पर संघ ने कड़ा विरोध जताया और इन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान दिव्यांग संघ के अध्यक्ष बोहित राम चंद्राकर ने एक मंजिला छत से कूदने का प्रयास किया,लेकिन पुलिस ने उन्हें रोका नहीं। इसके बाद भी संघ ने अपनी मांगों को लेकर सड़क पर बैठकर अपना विरोध जारी रखा। संघ का कहना है कि वे तब तक अपने प्रदर्शन को जारी रखेंगे,जब तक उनकी सभी मांगों पर कार्रवाई नहीं की जाती। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों को नजरअंदाज किया गया, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे।

मुख्य मांगें

1) फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आधार पर सरकारी नौकरियों में काम कर रहे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई।
2) वास्तविक दिव्यांग सरकारी कर्मचारियों के लिए केंद्र के समान 4 प्रतिशत पदोन्नति में आरक्षण।
3) दिव्यांगों की पेंशन में वृद्धि और बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) की बाध्यता को समाप्त किया जाए।
4) संघ ने इस प्रदर्शन के जरिए सरकार से जल्द कार्रवाई की अपील की है, और चेतावनी दी है कि यदि इन मुद्दों पर जल्द समाधान नहीं मिलता, तो वे बड़े आंदोलन की योजना बनाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर एक ऐतिहासिक दिव्यांगजन का स्वाभिमान पैदल मार्च

दिसंबर को छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ ने अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर राज्य सरकार और प्रशासन के खिलाफ एक ऐतिहासिक दिव्यांगजन स्वाभिमान पैदल मार्च आयोजित करने का ऐलान किया था। यह मार्च मरीन ड्राइव रायपुर से मुख्यमंत्री निवास तक जाने वाला था, लेकिन पुलिस ने टिकरापारा स्थित साहू भवन में दिव्यांग संघ के लोगों को रोक लिया। इस घटना के बाद दिव्यांगजन सैकड़ों की संख्या में सड़क पर जमा हुए और जमकर नारेबाजी की। दिव्यांग संघ के सदस्य काली पट्टी बांधकर अपनी मांगों के समर्थन में सशक्त रूप से विरोध जता रहे थे। संघ के प्रतिनिधिमंडल ने शासन-प्रशासन के उच्च अधिकारियों से पहले ही मिलकर अपनी छह प्रमुख मांगें रखी थीं, जिसमें दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा और शासन की उपेक्षा के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की गई थी।

विद्यालय के सामने सिगरेट व तंबाकू पदार्थ बेचने पर हुई चालानी कार्रवाई

-संवाददाता-
सोनहत,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

स्कूल के सामने या आसपास में पान ठेला व किराना दुकान में तंबाकू व सिगरेट बेचने पर चालानी कार्यवाही की गई है, कार्यवाही के दौरान बताया गया कि स्कूल के आसपास सिगरेट व तंबाकू पदार्थ बेचना प्रतिबंधित है और बेचने वाले के विरुद्ध कार्यवाही की जा सकती है सुनहत क्षेत्र में इसी नियम के तहत संभाग आयुक्त के निर्देश पर कार्यवाही की गई। मिलिजानकारी के अनुसार संभाग आयुक्त सरगुजा एवं कलेक्टर जिला कोरिया के निर्देशानुसार पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन जिला कोरिया की टीम के द्वारा कोरिया जिले के सोनहत में संचालित स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय, शासकीय हिंदी विद्यालय, शासकीय कन्या विद्यालय, संयुक्त एकलव्य आवासीय विद्यालय, निजी विद्यालय के आसपास संचालित तथा शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत अस्पताल के आसपास संचालित पान ठेला, किराना स्टोर, जनरल स्टोर एवं टी स्टॉल में सिगरेट और तम्बाकू पदार्थ का विक्रय कोटपा एक्ट की धारा 4/6 का उल्लघंन करते पाए जाने पर 11 पान ठेला, किराना स्टोर, एवं टी स्टॉल से क्रमश 2100 रूपये राशि का जुर्माना/चालानी कार्यवाही किया गया। निरिक्षण के दौरान जाँच दल द्वारा विक्रय केंद्रों को केंद्र में लगाए जाने वाले बोर्ड धुम्रपान निषेध क्षेत्र यहां पर धुम्रपान करना अपराध है। 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्ति को तंबाकू उत्पादों की बिक्री करना एक दंडनीय अपराध है, संबंधी बोर्ड लगाने हेतु निर्देशित किया गया। भविष्य में शासकीय एवं निजी स्कूल परिसर के आसपास तंबाकू एवं सिगरेट न बेचने की सख्त हिदायत दी गई, जांच कार्यवाही में, कोटपा नोडल अधिकारी डॉ0 कार्तिकेय सिंह, सीएचसी सोनहत में पदस्थ डॉश्र अक्षय जायसवाल, खाद्य एवं औषधि प्रशासन से औषधि निरीक्षक श्री आलोक मिंज, विकास लकड़ा, एवं नमूना सहायक प्रमोद कुमार पैकरा एवं थाना सोनहत के पुलिस बल कार्यवाही के दौरान मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

-संवाददाता-
सूरजपुर,03 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मंगल भवन सूरजपुर में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस 2024 के अवसर पर दिव्यांगजन सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों की असीम क्षमता और जीवन जीने के प्रति उनके अदम्य साहस को नमन किया गया। कार्यक्रम में प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मराबी मुख्य अतिथि व प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम में विधायक भूलन सिंह मराबी ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए दिव्यांगजन दिवस मनाने के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया दिव्यांगजन के लिए समान अधिकार, तरक्की और विकास के रास्ते सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अंतरराष्टीय दिव्यांग दिवस मनाया जाता है। राज्य सरकार दिव्यांगजन के सर्वांगीण विकास और स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होने आगे कहा अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस तभी सार्थक हो सकता है जब सभी दिव्यांगजन अन्य नागरिकों के समान ही आर्थिक और सामाजिक स्थिति पा सकें। इसलिए आवश्यक है कि हम सभी दिव्यांगजन की क्षमताओं और नेतृत्व पर विश्वास रखतें हुए एक समावेशी औ संवहनीय भविष्य की ओर कदम बढ़ाये। कार्यक्रम में प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने भी उपस्थित जनों से संबोधित किया। कार्यक्रम में लगभग 150 दिव्यांगजनो को सम्मानित किया गया और निःशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना अंतर्गत दंपत्ति सतीश केवट एवं महेश्वरी को 01 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में अभय तिवारी, अवधेश पाण्डेय, रामरतन गुप्ता, प्रफूल गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, अजय जायसवाल, विक्रम सिंह, जनप्रतिनिधि, दिव्यांगजन, कलेक्टर एस. जयवर्धन, एसडीएम शिवानी जायसवाल, सहायक संचालक समाज कल्याण बेनेदिक्ता तिर्की व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

3 घंटे लेट शुरू हुआ कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का कार्यक्रम निर्धारित समय से करीब 3 घंटे लेट शुरू हुआ जिससे दूर दराज से पहुंचे दिव्यांग जनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा उनकी सुध लेने प्रशासन का कोई भी नुमाइंदा उपस्थित नहीं रहा। समाज कल्याण विभाग के अधिकारी कर्मचारी भी लेट लतीफ पहुंचे थे जिसको लेकर दिव्यांग जनों ने नाराजगी भी जताई दिव्यांग जनों ने बताया कि वे 11 बजे मंगल भवन कार्यक्रम स्थल में पहुंच गए थे मगर उन्हें पानी तक पूछने वाला कोई नहीं था दोपहर 2 बजे के बाद कार्यक्रम शुरू हुआ इसके बाद दिव्यांग जनों को नाश्ता पानी उपलब्ध कराई गई दिव्यांग जनों के सम्मान कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग की ऐसी लापरवाही पर उपस्थित जनों ने कड़ी नाराजगी जताया।

भारतीय टीम महिला जूनियर एशिया कप के लिए ओमान रवाना

बेंगलुरु,03दिसम्बर 2024। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम मंगलवार सुबह केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से प्रतिष्ठित महिला जूनियर एशिया कप 2024 के लिए रवाना हुई। जूनियर एशिया कप, जो एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए एक क्वालिफाइंग इवेंट है, 7 से 15 दिसंबर तक मस्कट, ओमान में आयोजित किया जाना है।भारतीय टीम पूल ए में चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश से भिड़ेगी, जबकि पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग और श्रीलंका शामिल होंगे।

भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने का बचा सिर्फ एक रास्ता

» इस तरह से कर सकता है क्वालीफाई

नई दिल्ली,03 दिसम्बर 2024। अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। सभी टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा गया है और अभी तक किसी भी टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की नहीं की है। सेमीफाइनल में जाने के लिए सभी टीमें जोरआजमाइश कर रही हैं। हर ग्रूप से दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी और फाइनल मुकाबला 8 दिसंबर को दुबई में खेला जाएगा। भारतीय टीम अंडर-19 एशिया कप के लिए ग्रुप-ए का हिस्सा है और उसके सेमीफाइनल में जाने की उम्मीदें बरकरार हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में मिली हार

भारतीय टीम की शुरुआत बहुत ही खराब रही थी। भारत को अपने पहले मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 43 रनों से करारी हार झेलनी पड़ी थी। इससे टीम इंडिया का नेट रन रेट माइनस में हो गया। फिर जापान के खिलाफ भारत ने वापसी की और प्लेयर्स ने बेहतरीन खेल दिखाया। इसी कारण ने भारत ने जापान के खिलाफ मुकाबला 211 रनों से अपने नाम कर लिया। जीत से भारत का नेट रन रेट ऊपर बढ़ गया है। लेकिन उसके सेमीफाइनल में जाने को लेकर अभी भी पेंच फंसा हुआ है।

यूएई के खिलाफ जीत है जरूरी

भारत ने अभी तक टूर्नामेंट में कुल दो मुकाबले खेले हैं, जिसमें से एक जीता है और एक हारा है। दो अंकों के साथ वह प्वाइंट्स टेबल में तीसरे पायदान पर मौजूद है। टीम का नेट रन रेट प्लस 1.680 है। अभी उसका एक मैच बचा हुआ है, जो उसे यूएई के खिलाफ 4 दिसंबर को खेलना है। अगर 19 एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंचने का ख्वाब भारत को पालना है, तो उसे ये मैच हार हाल में जीतना होगा, जिससे उसके तीन मैचों के बाद चार अंक हो जाएंगे। दूसरी तरफ अगर भारत जीत दर्ज कर लेता, तो यूएई के तीन मैचों के बाद 2 ही अंक होंगे और भारत प्वाइंट्स टेबल में उससे आगे होगा।

प्वाईंट टेबल में पहले नंबर पर है पाकिस्तानी टीम

मौजूदा स्थिति में प्वाइंट्स टेबल में पाकिस्तानी टीम चार अंकों के साथ पहले नंबर पर है। उसने दो मैच खेले हैं और दोनों में जीत हासिल की है। उसका नेट रन नेट प्लस 1.120 है। पाकिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने के पूरे चांस हैं। उसे सिर्फ एक मैच जापान के खिलाफ खेलना है और जो जीतना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं लग रहा है। बस टीम इंडिया पर है कि वह अपना मैच यूएई से जीत जाए।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का दूसरे टेस्ट से पहले बड़ा ऐलान

» इस दिग्गज को सौंपी अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली,03 दिसम्बर 2024। भारतीय टीम ने सभी की उम्मीदों के उलट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में पहला मुकाबला 295 रनों से जीता था और सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। अब दोनों टीमों के बीच दूसरा मुकाबला 6 दिसंबर को एडिलेड में खेला जाएगा, जो पिंक बॉल से डे-नाइट टेस्ट मैच होगा। टीम इंडिया के लिए ये टेस्ट जीतना बिल्कुल आसान नहीं होगा। अब इस टेस्ट से पहले ही क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बड़ा ऐलान करते हुए नेशनल रग्बी लीग के पूर्व प्रमुख टॉड ग्रीनबर्ग को मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है।

निक हॉकले की जगह संभालेंगे अहम जिम्मेदारी

टॉड ग्रीनबर्ग अभी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। वह अगले साल मार्च में अपना नया पद संभालेंगे। निक हॉकले ने 2020 में अंतरिम आधार पर यह पद संभाला था। उन्होंने अगस्त में घोषणा की थी कि वह मौजूदा घरेलू सीजन के अंत में अपने पद से हट जाएंगे। ग्रीनबर्ग पहले क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के साथ काम कर चुके हैं। वह शीर्ष क्रम के बल्लेबाज के रूप में सिडनी के रैंडविक क्रिकेट क्लब की तरफ से खेलते थे।

टॉड ग्रीनबर्ग ने कही ये बात

क्रिकेट.कॉम.एयू के अनुसार टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि यह क्रिकेट के लिए बेहद रोमांचक समय है, क्योंकि दुनिया भर में इस खेल के तेजी से विकास ने शानदार अवसर पैदा किए हैं। इसके साथ ही इसने यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ चुनौतियां भी पेश की हैं कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट खेल के शीर्ष पर अपना स्थान बरकरार रखें। टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई खेल में इस अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका को निभाने और बचपन से ही मुझे पसंद रहे खेल से जुड़ने का अवसर मिलने पर मैं आभारी हूं। वर्तमान प्रशासन के काम की बदौलत खेल की बुनियादी नींव मजबूत हुई है। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि हम इस गति को बनाए रखें, ताकि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट स्थानीय पार्कों से लेकर देश के सबसे बड़े स्टेडियमों तक फलता-फूलता रहे। मैं ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन के सभी लोगों का आभारी हूं।

हरभजन ने पाकिस्तान को लगाई तगड़ी फटकार

» चैंपियंस ट्रॉफी पर पड़ोसी देश को लेकर बोला ऐसा

नई दिल्ली,03 दिसम्बर 2024। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी आईसीसी ने पाकिस्तान को दी थी। लेकिन पाकिस्तान में इस टूर्नामेंट का होना मुश्किल लग रहा है, क्योंकि बीसीसीआई ने भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया है और इस बारे में आईसीसी को अवगत भी करा दिया है। बीसीसीआई ने हाइब्रिड मॉडल की मांग की है, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इसे सिरे नकार दिया। तब से ही इस टूर्नामेंट पर संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। कई मीडिया रिपोर्ट में ऐसी खबरें आई कि पूरा टूर्नामेंट ही दूसरे देश में शिफ्ट हो सकता है। इस बात की खबर आई कि अगर टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल खेला जाएगा, तो वह यूएई में हो सकता है।

अहंकार को किनारे रखें:हरभजन सिंह

भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों से भी आग्रह किया कि वे अपने अहंकार को किनारे रखें और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 'हाइब्रिड मॉडल' पर सहमत हों, जिसमें भारत अपने मैच दुबई में खेलेगा। आप सभी खिलाडियों से पूछें, वे कहेंगे कि वे अबू धाबी या दुबई में खेलने के लिए तैयार हैं। वैसे भी हमें भारत बनाम पाकिस्तान मैच ज्यादा देखने को नहीं मिलता है। (भारत के लिए) सुरक्षा चिंता है और मैं 2022 से यह बात कह रहा हूं।

आईसीसी ने की थी बैठक

बीसीसीआई के इनकार के बाद चैंपियंस ट्रॉफी के शेड्यूल में देरी हो रही है। फिर आईसीसी ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए एक वर्चुअल बैठक की, जिसमें बीसीसीआई और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी शामिल हुए। इसमें आईसीसी ने पीसीबी को हाइब्रिड मॉडल पर तैयार रहने को कहा है। हाल ही में पीसीबी के चीफ मोहसिन नकवी ने कहा कि इस समय बहुत कुछ हो रहा है और मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि मेरी कही कोई भी बात चल रही प्रक्रिया को प्रभावित न करे। हमने अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है और भारत ने भी अपना दृष्टिकोण साझा किया है। इसमें शामिल सभी लोग का समाधान खोजने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और सबसे बढ़कर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि क्रिकेट असली विजेता के रूप में उभरे। भारत और पाकिस्तान दोनों देशों में क्रिकेट बहुत ही ज्यादा लोकप्रिय है। जब भी दोनों देशों के बीच क्रिकेट मैच होता है, तो फैंस बहुत ही ज्यादा उत्साहित होते हैं। साल 2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमले के बाद दोनों देश के राजनीतिक संबंध खराब हो गए। अब दोनों देश आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप में ही खेलते हुए नजर आते हैं।

एफए कप के तीसरे राउंड में मैनचेस्टर यूनाइटेड से आर्सेनल की भिडंत

लंदन,03 दिसम्बर 2024। एफए कप के तीसरे दौर में मैनचेस्टर यूनाइटेड का सामना आर्सेनल से होगा। तीसरे दौर के मुकाबले सप्ताह के अंत 10-13 जनवरी में खेले जाएंगे, एफए ने अभी तक पूरे कार्यक्रम की पुष्टि नहीं की है।यह 17वां अवसर होगा जब एफए कप के 14 बार के विजेता आर्सेनल और 13 बार के विजेता मैन यूनाइटेड प्रतियोगिता में आमने-सामने होंगे। अन्य ऑल-प्रीमियर लीग मुकाबले में, सात बार के एफए कप विजेता एस्टन विला ने वेस्ट हैम यूनाइटेड की मेजबानी की। टूर्नामेंट में क्लब तीन बार मिले हैं, विला ने दो बार जीत हासिल की और एक बार हार गया। प्रीमियर लीग के शीर्ष क्लब लिवरपूल का ड्रा लीग टू के एक्रिंगटन स्टेनली के साथ हुआ है। मैनचेस्टर सिटी, जिसने कुल सात बार ट्रॉफी जीती है, लीग टू की टीम सैलफोर्ड सिटी से भिड़ेगी।एवर्टन के 39 वर्षीय डिफेंडर एशले यंग संभवत: अपने 18 वर्षीय बेटे टायलर के खिलाफ खेल सकते हैं, जो पीटरबरो यूनाइटेड के लिए खेलते हैं, क्योंकि टॉफीज़ का ड्रा लीग वन साइड के साथ हुआ है।टोटेनहम हॉटस्पर टैमवर्थ की यात्रा करेगा, जो प्रतियोगिता में बचे हुए केवल दो गैर-लीग क्लबों में से एक है।

वनवास का ट्रेलर रिलीज

दिल छू लेने वाली कहानी लेकर आए नाना पाटेकर और उत्कर्ष शर्मा

निर्देशक अनिल शर्मा पिछले काफी समय से फिल्म वनवास को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके बेटे उत्कर्ष शर्मा ने मुख्य भूमिका निभाई है, जो उनकी फिल्म गदर और गदर 2 में थे।फिल्म में नाना पाटेकर भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के पोस्टर से लेकर टीजर और गाने तक दर्शकों को बेहद पसंद आए हैं।अब इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हो रही है।ट्रेलर की शुरुआत में उत्कर्ष कहते हैं, माता-पिता का कर्म होता है बच्चों को पालना और बच्चों का धर्म होता है मां-बाप को संभालना।फिल्म की कहानी उन लोगों पर है, जो पालकर अपने बच्चों को बड़ा करते हैं, लेकिन जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो मां-बाप को छोड़ देते हैं। नाना ऐसे ही शख्स के किरदार में हैं, जिन्हें उनके बच्चों ने उन्हें रास्ते पर छोड़ दिया है।ट्रेलर में भावुक कर देने वाले पल हैं।एक यूजर ने लिखा, मारधाड़ वाली फिल्मों के बीच एक महत्वपूर्ण विषय वाली फिल्म का ट्रेलर देख मजा आ गया। वाह!एक लिखते हैं, मैं फिल्म का पहले दिन का पहला शो देखूंगा। ऐसी फिल्मों को समर्थन मिलना चाहिए।एक ने लिखा, क्या गजब ट्रेलर है। ऐसा सिनेमा तो अब खो ही गया है।एक लिखते हैं, पिछले कुछ सालों से ऐसी ही फिल्म की तलाश थी, वहीं कुछ को सिमरत कौर और उत्कर्ष की केमिस्ट्री भी पसंद आई है।निर्देशक अनिल शर्मा कहते हैं, यह फिल्म मेरे बेहद करीब है, क्योंकि ये प्यार, बलिदान और परिवार के असली मतलब को समझाती है। नाना, उत्कर्ष, सिमरत, राजपाल यादव और बाकी कलाकारों ने अपने-अपने किरदारों से फिल्म में गहरी और असली भावनाएं डाली है। मैं दर्शकों को उनका सफर पर्दे पर दिखाने के लिए काफी उत्साहित हूं।उधर नाना के मुताबिक, वनवास सिर्फ एक कहानी नहीं है, ये उन भावनाओं का आईना है, जिन्हें हम अक्सर अपने अंदर दबाकर रखते हैं।ज़ी स्टूडियोज के बैनर तले बनी यह फिल्म 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी। पिछली बार अनिल फिल्म गदर 2 लाए थे, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कई नए रिकॉर्ड बनाए और धराशायी किए।फिल्म में उत्कर्ष और सिमरत दिखे थे। वनवास में यह जोड़ी दोबारा दर्शकों का दिल जीतने आ रही है।इस फिल्म में परिवार के सच्चे अर्थ को दिखाया गया है और बताया गया है कि रिश्ते खून से नहीं, बल्कि प्यार और स्वीकार्यता से बनते हैं।

शरवरी वाघ ने स्टाइलिश आउटफिट में कराया हॉट फोटोशूट

बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ हमेशा अपने स्टनिंग और हॉट लुक्स से सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।मुंजिया फेम शरवरी वाघ पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनी हुई हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही छा गया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस बेहद ही स्टनिंग और हॉट लुक में फोटोशूट करवाती हुई नजर आ रही हैं। बता दें कि शरवरी वाघ जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। शरवरी वाघ ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्राउन कलर की कोट लुक मं ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। साथ ही कैमरे के सामने स्टनिंग पोज देती हुई एक्ट्रेस हॉट फोटोज क्लिक करवा रही हैं।इंडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक एक्ट्रेस शरवरी वाघ अपने हर एक लुक में बेहद ही शानदार नजर आती हैं। उनका लुक इंटरनेट पर आते ही अक्सर बवाल मचाने लगता है।बताते चलें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। साथ ही अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े हुए अपडेट्स भी फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

द डर्टी पिक्चर वाली सिल्क स्मिता की बायोपिक का एलान

चंद्रिका रवि करेगी क्वीन ऑफ द साउथ का रोल, फर्स्ट लुक भी आया सामने

विद्या बालन,नसीरुद्दीन शाह और इमरान हाशमी स्टारर फिल्म द डर्टी पिक्चर तो आपने देखी ही होगी। द डर्टी पिक्चर साउथ एक्ट्रेस सिल्क स्मिता की पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पर आधारित है। द डर्टी पिक्चर को मिलन लूथरिया ने डायरेक्ट किया था, जो साल 2011 में रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मोटी कमाई की थी और इस फिल्म से विद्या बालन का करियर टॉप पर पहुंच गया था। अब दिवंगत साउथ एक्ट्रेस सिल्क स्मिता की बर्थ एनिवर्सरी पर उनकी बायोपिक सिल्क स्मिता- क्वीन ऑफ द साउथ का एलान हुआ है और साथ ही एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक भी सामने आया है। बता दें, एसटीआरआई सिनेमास ने सिल्क स्मिता की बायोपिक का एलान किया है। इसमें भारतीय मूल की आस्ट्रेलियाई एक्ट्रेस चंद्रिका रवि एक्ट्रेस सिल्क स्मिता का रोल करने जा रही हैं.। बायोपिक सिल्क स्मिता-क्वीन ऑफ द साउथ के टीजर में चंद्रिका रवि का बतौर सिल्क स्मिता फर्स्ट लुक सामने आया है, जिसमें वह बेहद सुंदर दिख रही हैं। बता दें, बायोपिक सिल्क स्मिता-क्वीन ऑफ द साउथ का निर्देशन जयराम शंकरण कर रहे हैं और एसबी विजय अमृतराज बायोपिक के निर्माता हैं।वहीं, मेकर्स ने सिल्क स्मिता- क्वीन ऑफ द साउथ अनाउंसमेंट टीजर शेयर किया है, जिसमें सिल्क स्मिता का चंद्रिका रवि के रूप में फर्स्ट लुक दिख रहा है। टीजर की शुरुआत देश की पहली महिला प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी के केबिन से शुरू होता है, जिसमें वह कुछ अखबार और मैगजीन में देखती हैं कि हर तरफ सिल्क स्मिता छाई हुई हैं। इतना देखने के बाद श्रीमति इंदिरा गांधी पूछती हैं यह सिल्क कौन हैं इसके बाद सिल्क स्मिता के रोल में चंद्रिका रवि कार से अपने सिजलिंग लुक में निलकती हैं और लोगों की नजरें उनपर टिक जाती हैं.वहीं, सिल्क स्मिता-क्वीन ऑफ द साउथ बायोपिक के लिए दर्शकों के लंबा इंतजार करना पड़ सकता है,क्योंकि बायोपिक सिल्क स्मिता-क्वीन ऑफ द साउथ अगले साल 2025 के शुरू में फ्लोर पर आएगी.सिल्क स्मिता का जन्म 2 दिसंबर 1960 को एलुरू (आंध्र प्रदेश) में हुआ था और 23 सितंबर 1966 को महज 36 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था. सिल्क ने अपने 17 साल के फिल्मी करियर में पांच भाषाओं में 450 फिल्में की थी। सिल्क का असली नाम विजयालक्ष्मी विदलपति था। वहीं, इनका स्टेज नेम सिल्क स्मिता था।

अब बड़े निर्णय ले सकेंगी स्वशासी सोसाइटियां

» मिला 2 करोड़ रुपए तक के अनुमोदन का अधिकार

रायपुर,03 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ शासन ने स्वास्थ्य विभाग में वित्तीय सुधारों की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में राज्य के 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के स्वशासी सोसाईटियों की बैठक में आज चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संबद्ध चिकित्सालयों के वित्तीय विकेंद्रीकरण के विस्तार के लिए कई महत्वपूर्ण एवं जनहित के निर्णय लिए गए हैं।

चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संबद्ध अस्पतालों के लिए अतिआवश्यक दवाइयां, चिकित्सकीय उपकरणों की खरीदी मरम्मत एवं रखरखाव, कन्ज्यूमेबल सामग्री इत्यादि की तात्कालिक उपचार के लिए आवश्यकता पड़ती रहती है। लेकिन मेडिकल कालेजों के अधिष्ठाता एवं अस्पताल अधीक्षकों के पास इन्हें खरीदने अथवा मरम्मत के लिए बहुत ही सीमित शक्तियों का प्रावधान था। इसकी वजह से इन्हें शासन स्तर के निर्णय पर निर्भर रहना पड़ता था। ये नियम छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पूर्व से चला आ रहा था। राज्य गठन के बाद पहली बार वित्तीय अधिकारों के नियम मे संशोधन किया जा रहा है।

मिला 10 लाख रुपए तक का वित्तीय अधिकार

पहले मेडिकल कालेजों के अधिष्ठाता एवं अस्पताल अधीक्षकों को 1 लाख रुपए से उपर के लघु निर्माण, मरम्मत, दवा खरीदी इत्यादि कार्यों के लिए मंत्रालय स्तर पर फाइल भेजनी पड़ती थी। नए निर्णय से अब इनके पास 10 लाख रुपए तक का वित्तीय अधिकार होगा। इसके लिए शासन स्तर से किसी अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी। औजारों एवं लघु उपकरणों की खरीदी अथवा मरम्मत के लिए 1 लाख रुपए तक का वित्तीय अधिकार था जिसे अब बढ़ाकर 10 लाख रुपए करने की सहमति स्वशासी समिति की बैठक में दी गयी है। इसी तरह से भण्डार तथा रिएजेंट की खरीदी के लिए 20 हजार रूपए तक की शक्तियां थी जिन्हें बढ़ाकर अधिष्ठाता एवं अस्पताल अधीक्षक को पूर्ण शक्तियां प्रदान करने की अनुशंसा की गयी है।

45 प्रतिशत तक बढ़ाया गया क्लेम

अभी तक राज्य शासन से आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत प्राप्त क्लेम का 25 फीसदी ही संबंधित चिकित्सा महाविद्यालय की स्वशासी सोसायटी को प्राप्त होता था। मगर अब इसे बढ़ाकर 45 फीसदी कर दिया गया है। इसी के साथ ही एक बड़ा बदलाव करते हुए स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल की अध्यक्षता में ये निर्णय लिया गया है कि शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध चिकित्सालयों को राज्य बजट से दवाइयां मद तथा भण्डार एवं रिएजेंट मद में प्राप्त बजट का 10 फीसदी राशि का आवंटन होता था। इसे बढ़ाकर 25 फीसदी कर दिया गया है। इन फैसलों से मेडिकल कॉलेजो को वित्तीय रुप से सशक्त बनाने के लिए वित्तीय विकेंद्रीकरण कर मेडिकल कालेजों की स्वशासी सोसायटियों को पुनर्गठित किया गया है।

स्वशासी सोसायटियों का पुनर्गठन

राज्य के 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संबद्ध चिकित्सालयों की स्वशासी सोसायटियों का गठन महाविद्यालय की स्थापना के साथ अलग अलग समय पर हुआ है। इन सोसायटियों के लिए कोई एक निर्धारित गाइड लाइन या नियमावली का निर्धारण नहीं किया गया है और इनमें एकरूपता नहीं है। इन सोसायटियों को होने वाली आय व्यय के अनुमोदन के लिए भी कोई मानकीकरण प्रक्रिया नहीं है। इनमें एकरूपता लाने के लिए माडल स्वशासी सोसायटियों का ड्राफ्ट प्रशासकीय विभाग द्वारा अनुमोदित कर जारी किया गया है। पूर्व में सिर्फ सामान्य सभा को ही अधिकार प्राप्त थे, लेकिन नए ड्राफ्ट के अनुसार सामान्य सभा के अधिकारों का विस्तार करते हुए प्रबंधकारिणी समिति और वित्त समिति के अधिकारों में बदलाव किए गए हैं।इन बदलावों के अनुसार सामान्य सभा को पूर्ण अधिकार के साथ ही अब प्रबंधकारिणी समिति को प्रति कार्य 2 करोड़ रुपए तक अनुमोदन का अधिकार होगा, पहले ये अधिकार नहीं था। वित्त समिति को प्रति कार्य 10 लाख रुपए तक के अनुमोदन का अधिकार दिया गया है, पहले कोई अधिकार नहीं था। केंद्र अथवा राज्य शासन के विभिन्न योजनाओं से स्वशासी समिति को प्राप्त राशि, आवंटन अथवा अनुदान में से सामान्य सभा को खर्च व अनुमोदन का पूर्ण अधिकार होगा वहीं इसी राशि में से प्रबंधकारिणी समिति को 5 करोड़ रूपए तक की राशि के अनुमोदन का अधिकार होगा।

फिर से शुरू होगी 5 वीं-8 वीं बोर्ड परीक्षा

रायपुर,03 दिसम्बर 2024(ए)। कैबिनेट के फैसले के बाद कक्षा 5वीं और 8वीं की केंद्रीकृत परीक्षा लेने के लिए मंगलवार को स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा निर्देश जारी किया है। इसके तहत राज्य के सभी कलेक्टरों और जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि, वर्ष 2010-11 में 5 वीं और 8 वीं की बोर्ड परीक्षा को समाप्त किया गया था। जिसके तहत प्रत्येक बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा दी जाती है। जिसके वजह से किसी बच्चों को फेल नहीं किया जाता था। बोर्ड परीक्षा बंद करने से विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता पर असर को देखते हुए एक बार फिर से केंद्रीयकृत परीक्षा लेने का फैसला लिया गया है। जिसके तहत प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में कक्षा 5 वीं और 8 वीं की नियमित परीक्षा ली जाएगी। यदि विद्यार्थी वार्षिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण होता है तो उसे परीक्षा दिनांक के दो माह के भीतर फिर से परीक्षा का अवसर दिया जाएगा। किसी भी विद्यार्थी को प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण होने तक विद्यालय से निष्कासित नहीं किया जाएगा। छत्तीसगढ़ बोर्ड के सभी सरकारी, अशासकीय, अनुदान प्राप्त स्कूल में परीक्षा आयोजित की जाएगी और यह जिला स्तर पर ली जाएगी। डीईओ गोपनीयता बनाए रखते हुए गुणवत्ता युक्त परीक्षा सम्पन्न कराएंगे। परीक्षा के लिए विद्यार्थी से कोई भी शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह परीक्षा मार्च में आयोजित की जाएगी और इसका टाइम- टेबल संचालक लोकशिक्षण सचिवालय जारी करेगा।

हेडमास्टर द्वारा बीईओ महिला अधिकारी पर किया गया हमला

वीडियो वायरल,पुलिस ने मामला दर्ज किया

रायपुर,03 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के अभनपुर में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक हेडमास्टर ने महिला बीईओ (ब्लॉक शिक्षा अधिकारी) के साथ मारपीट की। पूरा मामला अभनपुर के बीईओ कार्यालय का है, जहां परसदा गांव के मिडिल स्कूल में पदस्थ हेडमास्टर राजन बघेल ने बीईओ धनरेश्वरी साहू के साथ हाथापाई की। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

हेडमास्टर राजन बघेल अपने निजी काम से बीईओ कार्यालय पहुंचे थे। यहां उन्होंने बीईओ साहू पर अपने कर्मचारियों की गोपनीय जानकारी में क मार्किंग करने के लिए दबाव बनाया। हालांकि, बीईओ ने उस पर ख मार्किंग की थी, जिससे हेडमास्टर गुस्से में आ गए। गुस्से में आकर, उन्होंने पहले अपनी फाइल को टेबल पर पटका, फिर गाली-गलौज करते हुए बीईओ का गला दबा दिया और उन्हें टेबल पर पटक दिया। बीईओ कार्यालय में मौजूद

कर्मचारियों ने किसी तरह बीईओ को बचाया और आरोपी हेडमास्टर को अलग किया। इसके बाद, बीईओ साहू ने अभनपुर थाने पहुंचकर हेडमास्टर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बीईओ का मेडिकल परीक्षण करवाया और आरोपी हेडमास्टर के खिलाफ कार्य में बाधा डालने और हत्या की कोशिश के आरोप में कार्रवाई शुरू की है।अभनपुर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और हेडमास्टर राजन बघेल को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। थाना प्रभारी सिद्धेश्वर प्रताप सिंह ने पुष्टि की कि पुलिस पूरी घटना की जांच कर रही है। कलेक्टर ने भी मामले को संज्ञान में लिया है और महिला अधिकारी के सुरक्षा की पूरी व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

घटना के बाद महिला अधिकारी बीईओ धनरेश्वरी साहू डरी हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके साथ मारपीट के बाद वे मानसिक रूप से बहुत परेशान हैं। पुलिस की कार्रवाई के बाद, कलेक्टर ने भी महिला अधिकारी को पूरी सुरक्षा देने का आश्वासन दिया है।

हेडमास्टर हुआ निलंबित

विकासखंड शिक्षा अधिकारी पर हाथ उठाना पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक को भारी पड़ गया। संभागीय संयुक्त संचालक राकेश पांडेय ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रधान पाठक राजन कुमार बघेल को निलंबित कर दिया है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

भाजपा मना रही जनादेश दिवस

सीएम साय और प्रदेश अध्यक्ष ने जताया जनता का आभार,कहा... आपके विश्वास पर खरा उतरेंगे...

रायपुर,03 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में साय सरकार के कार्यकाल का पहला वर्ष पूरा होने के अवसर पर आज भाजपा प्रदेशभर में जनादेश दिवस मना रही है। इस खास मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव ने प्रदेशवासियों का आभार व्यक्त करते हुए सरकार की उपलब्धियों और आगे की योजनाओं पर अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

पीजीएम में एचआईवी संक्रमितों की संख्या पहुंची 252

नशीले इंजेक्शन से संक्रमण फैलने की आशंका

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही,03 दिसम्बर 2024(ए)।

जिले में एड्स संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 252 तक पहुँच गई है, जो स्वास्थ्य विभाग के लिए चिंता का विषय बन गई है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, बीते नवंबर माह में ही 8 नए एचआईवी पॉजिटिव मरीज मिले हैं, और यह संख्या छोटे से जिले में चौंकाने वाली है। इनमें जनरल मरीजों के अलावा ऐसे कम उम्र के युवा भी शामिल हैं, जो इंजेक्शन के माध्यम से नशा करते हैं और एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं।

बीजापुर में इनामी नक्सली कमांडर सहित 3 माओवादी गिरफ्तार

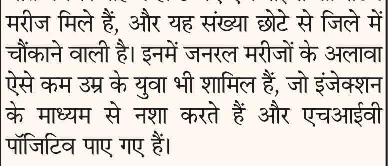

बीजापुर,03 दिसम्बर 2024(ए)। बस्तर में माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में बीजापुर जिले में संयुक्त सुरक्षा बल को बड़ी सफलता मिली है। मिरतुर व नेलसनार पुलिस ने अलग अलग कार्रवाई में तीन अलग अलग क्षेत्रों से 3 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है।

मोहन भागवत के बयान पर भूपेश की प्रतिक्रिया

» मोहन भागवत की उम्र हो गई है,अब शादी तो करेंगे नहीं,लेकिन संघ के अविवाहितों की शादी करानी चाहिएःभूपेश बघेल

रायपुर,03 दिसम्बर 2024 (ए)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान से सियासी बवाल मच गया है। संघ प्रमुख ने कहा है कि हिंदुओं को कम से कम 3 बच्चे पैदा करना चाहिए. इस बयान पर कांग्रेस नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने निशाना साधते हुए कहा कि संघ में जो अविवाहित लोग हैं उन्हें पहले विवाह करना चाहिए। संघ प्रमुख तो बुजुर्ग हो गए हैं। वे शादी नहीं कर सकते हैं, लेकिन उन्हें संघ में अपील करनी चाहिए। हालांकि उनकी बात कही सुनी नहीं जा रही है। राजीव युवा मितान क्लब को लेकर छत्तीसगढ़ की राजनीति गर्म है। मितान क्लब के युवाओं से भूपेश बघेल के संवाद के बाद से बघेल भाजपा नेताओं और खासकर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा के निशाने पर है। पंकज झा एक्स पर पोस्ट करते हुए बघेल पर निशाना साधते हुए कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कांग्रेस से अलग अपनी टीम बनाने में लगे हैं। वे जोगी जी के रास्ते पर चल रहे हैं। अब इस मामले को लेकर बघेल ने कड़ी प्रतिक्रिया दी हैझा के बयान पर बघेल का पलटवार, कहा बयान देने बीजेपी में नेताओं की कमीभूपेश बघेल ने पंकज झा के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कौन मीडिया सलाहकार हैं ? कहां के रहने वाला है ? सरकार छत्तीसगढ़ से चल रही है कि बिहार से ? क्या भाजपा में राजनीतिक बयान देने के लिए नेताओं की कमी हो गई है। वैसे भी भाजपा के कई बड़े नेता खाली बैठे हुए हैं. चाहे अजय चंद्राकर हो, चाहे धरम लाल कौशिक, या फिर अमर अग्रवाल, राजेश मूणत, नारायण चंदेल, प्रेम प्रकाश पाण्डेय. भाजपा के अंदर का आक्रोश किसी दिन जबरदस्त तरीके से फूटेगा. नाराजगी कांग्रेस में नहीं भाजपा संगठन में बढ़ गई है.छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल की नियुक्ति पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सवाल खड़ा किया है।

51.87 करोड़ की लागत से होगा जनजातीय एवं सांस्कृतिक सम्मेलन केंद्र का विकास

रायपुर,03 दिसम्बर 2024 (ए)। नया रायपुर अपने गतिशील और जीवंत माहौल के लिए जाना जाता है, जिसमें खुदरा केंद्र, मल्टीप्लेक्स सिनेमा, भोजनालय, विविध शहरी गतिविधियां और अवकाश (आराम के) स्थल शामिल हैं। यह शहर आगे की सोच रखता है, अपने हित के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। इसका शहरी परिदृश्य सौंदर्य की दृष्टि से सुखद है और शहरी सौंदर्य एवं भूनिर्माण के सिद्धांतों के अनुरूप बनाया गया है। नया रायपुर सदियों पुरानी परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करते हुए अत्याधुनिक तकनीक को एकीकृत करता है, जिससे मानवता और प्रकृति के बीच अंतर्निहित सहजीवी संबंधों के साथ-साथ क्षेत्र के प्रचुर प्राकृतिक और सांस्कृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। परियोजना का उद्देश्य मौजूदा रायपुर शहर को भीड़भाड़ से मुक्त करना है, जो पहले से ही 40 लाख लोगों को सेवाएं दे रहा है। इसलिए, एक नया शहर होने के कारण नया रायपुर में एक भीड़भाड़ रहित पर्यटन स्थल की आवश्यकता है, ताकि पर्यटन के लिए एक नया गंतव्य बनाया जा सके।

साय ने कांग्रेसियों के इस फैसले की तारीफ की

रायपुर,03 दिसम्बर 2024 (ए)। कांग्रेस का धान खरीदी केंद्र चलो अभियान आज से शुरू हो रहा है। इस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तंज कसते हुए कहा कि अच्छा है जाएं। दूर से बैठकर ब्लेम करने की बजाए खरीदी केंद्र में जाएं। उनको वास्तविकता का पता चलेगा। रायगढ़ में आज होने वाले विभिन्न कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मीडिया से चर्चा में आज जारी होने वाली महतारी वंदन योजना की 10वीं किश्त को लेकर कहा कि मोदी को गारंटी में एक बड़ा वादा ये भी था कि महतारी वंदन योजना के तहत एक हजार रुपए दिए। लगातार ये काम कर रहे हैं। हर महीने के पहले हफ्ते में ही एक हजार देने का काम कर रहे हैं। आज दिसंबर माह की किश्त भी रायगढ़ से हितग्राहियों के खाते में अंतरित किए। इसके साथ ही जनादेश दिवस को लेकर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज तीन दिसंबर हैं। हम इसे जनादेश दिवस के रूप में मनाएं।

पीडीएस संचालकों का सामूहिक इस्तीफा

कवर्धा,03 दिसम्बर 2024(ए)। कवर्धा में धान खरीदी को लेकर दिक्कतें खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। दो दिन पहले ही जिले में राइल मिलों की हड़ताल खत्म हुई है। अब जिले के पीएडीएस दुकान के संचालकों ने सामूहिक इस्तीफा सौंप दिया है। शासकीय राशन दुकान संचालकों ने जिला प्रशासन पर नए बारदाना उपलब्ध कराने का आरोप लगाया है। इसकी वजह से कलेक्टर को पीडीएस संचालकों ने एक साथ इस्तीफा सौंप दिया है। कवर्धा मंडी में जुटे पीडीएस संचालक कवर्धा मंडी में पीडीएस संचालक सोमवार को जमा हुए। उसके बाद बारदाने को लेकर सभी ने बातचीत की. बातचीत के बाद पीडीएस दुकान के सेल्समैन और संचालकों ने एक रैली निकाली और कलेक्टर कार्यालय तक पहुंचे। यहां पुलिस ने उन्हें गेट पर रोक दिया। जिसके बाद पीडीएस संचालक और सेल्समैन कलेक्टर कार्यालय के गेट के बाहर नारेबाजी करने लगे. नारेबाजी के बाद उन्होंने अपना सामूहिक इस्तीफा सौंप दिया।

प्रशासन फटे 50 फीसदी फटे पुराने बारदाना में राशन उपलब्ध कराता है। जिसकी वजह से सोसायटी में चावल की कमी होती है। प्रशासन धान खरीदी के दौरान शत प्रतिशत नए बारदाना देने का हम पर दवाब बनाती है। इसलिए हमने सामूहिक इस्तीफा देने का फैसला किया। पीडीएस दुकान बीते चार साल से संचालक की तरफ से बारदाना का भुगतान नहीं किया गया है. जिससे दुकान संचालक घाटे में हैं. उसके ऊपर से प्रशासन हम पर ही दबाव बना रही है. जिसकी वजह से संघ ने राशन दुकान बंद करने का फैसला लिया है. आज जिले के सभी दुकान संचालकों ने कलेक्टर को अपना सामूहिक इस्तीफा दिया है।

राशन दुकान संचालकों ने इस्तीफा दिया है। उनकी मांगें है कि पूर्व में बारदाना जमा किया गया है उसका भुगतान नहीं हुआ है। उसका भुगतान जल्द कराया जाए। इनकी मांगों को शासन स्तर पर भेजा जाएगा राशन दुकान संचालकों और सेल्समैन के इस्तीफे से कवर्धा में लोगों को आने वाले समय में दिक्कत हो सकती है। जिला प्रशासन राशन दुकान संचालकों की मांगों को राज्य शासन के पास भेजने की बात कह रहा है। अब देखना होगा कि इस मुद्दे का समाधान कब होता है।

साइबर ठगी मामले में 9 आरोपी हुए गिरफ्तार

कर चुके हैं 30 करोड़ का फ्रॉड

रायपुर,03 दिसम्बर 2024(ए)। साइबर ठगों के खिलाफ एक बड़ा ऑपरेशन चलाते हुए रेंज साइबर थाना की टीम ने विभिन्न शहरों में छापेमारी की और ऑनलाइन ठगी में शामिल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इन आरोपियों में इंजीनियर, आरटीओ एजेंट समेत अन्य शामिल हैं। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है और उनके बैंक खाते और मोबाइल नंबर की जानकारी खंगाली जा रही है। साथ ही इनके अन्य साथियों का पता लगाया जा रहा है। आरोपियों के बैंक खातों में लाखों रुपये फंसे हुए हैं।

गिरफ्तार किए गए आरोपी

निकिता पवार से क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर 21 लाख रुपये की ठगी की गई। रेंज साइबर थाना की टीम ने महासमुंद और रायपुर से रविंदर सिंह चावला, दीपक टीलवानी, और तरुण उर्फ रौनक नचरानी को गिरफ्तार किया।

अभिषेक अग्रवाल से शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 2.5 करोड़ रुपये की ठगी की गई। इस पर रेंज साइबर थाना की टीम ने नासिक में मयूरेश राजेंद्र गांगुर्दे को गिरफ्तार किया।

निशांत जैन से शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 29 लाख रुपये की ठगी की गई। नासिक में आकाश विलास भालेराव को गिरफ्तार किया गया। वह एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर है।

अनिमेष तिवारी से शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा दिलाने के नाम पर 99 लाख रुपये की ठगी हुई। पुणे से समीर थोरात को गिरफ्तार किया गया, जो आरटीओ का काम करता था।

चमन लाल साहू के बैंक अकाउंट से लिंक सिम को श्व-स्ढ्रूरू में पोर्ट कर उनसे ठगी की गई। दुर्ग से मेराज आलम और नौशाद अंसारी को गिरफ्तार किया गया।

नवीन कुमार से शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 1.39 करोड़ रुपये की ठगी की गई। पुणे से अजय तिड़के को गिरफ्तार किया गया।

अब तक कुल 30 करोड़ रुपए कराए गए होल्ड

साइबर ठगों को पकड़ने के लिए पुलिस ने मुंबई, नासिक, दुर्ग, महासमुंद, बिलासपुर और रायपुर में छापेमारी की। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पीड़ितों को 6 लाख रुपये वापस किए गए। साथ ही आरोपियों के खातों में 4.21 करोड़ रुपये होल्ड किए गए हैं, जिन्हें जल्द ही पीड़ितों के खातों में वापस किया जाएगा। अब तक कुल 30 करोड़ रुपये होल्ड कराए गए हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)